R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 193
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 23 मार्च, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 शहीदी दिवस के पूर्व संध्या पर क्रांतिकारी भगत ...
5 औराई पुलिस ने भूली-भटकी युवती को परिजनों ...
7 'वायरल गर्ल' मोनालिसा ने लगाई मदद की गुहार...

स्कंदमाता

नवरात्रि का पांचवां दिन स्कंदमाता की उपासना का दिन होता है। मोक्ष के द्वार खोलने वाली माता परम सुखदायी है। माँ अपने भक्तों की समस्त इच्छाओं की पूर्ति करती है।

बसपा जब-जब मजबूत हुई तो बहुजनों का भला हुआ : मायावती

लखनऊ **(एजेंसी)**। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को कहा कि जब-जब और जहां-जहां बसपा मजबूत हुई है, वहां दलित, आदिवासी, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) एवं अल्पसंख्यक समाज का भरपूर भला हुआ है। मायावती यहां मध्यप्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ राज्य इकाइयों के पदाधिकारियों की एक विशेष बैठक को संबोधित कर रही थीं। पार्टी द्वारा जारी बयान के अनुसार, इन राज्यों के लिए मुख्य सेक्टर प्रभारी एवं पूर्व सांसद राजाराम के नेतृत्व में आए पदाधिकारियों से उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली। समीक्षा के आधार पर उन्होंने पाया कि निर्देशों के अनुपालन के मामले में तीनों राज्यों में कुछ प्रगति हुई है।

बसपा प्रमुख ने पदाधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि बहुजनों की सुरक्षा, सम्मान और अस्मिता के मिशनरी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए पूरी मुस्तैदी से कार्य करते हुए चुनावी सफलता हासिल करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''जब-जब और जहां-जहां बसपा मजबूत हुई है, वहां दलितों, आदिवासियों, ओबीसी और अल्पसंख्यक समाज के लोगों का भरपूर भला हुआ है।'' मायावती ने भीमराव आंबेडकर और पार्टी संस्थापक कांशीराम को याद करते हुए कहा, ''देशभर में बहुजनों के हित, कल्याण और उत्थान के लिए तथा उन्हें आत्मसम्मान के साथ समतामूलक समाज में जीवन जीने का अधिकार दिलाने हेतु बाबा साहेब ने जो अनेक कानूनी और संवैधानिक अधिकार दिए, उन्हें सही ढंग से लागू कराने के लिए सत्ता की ''मास्टर चाबी'' स्वयं के हाथ में लेना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से कांशीराम ने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया और उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए पार्टी पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रयासरत है। मायावती ने तीनों राज्यों में कार्यकर्ताओं द्वारा लगन और निष्ठा के साथ आंबेडकरवादी आंदोलन को आगे बढ़ाने और शासक वर्ग बनने के लक्ष्य के लिए संघर्षरत रहने की सराहना की।

बसपा प्रमुख ने कार्यकर्ताओं को आगाह करते हुए कहा कि ऐसे समय में, जब सत्ताधारी दल समाज और सत्ता में अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग सहित साम, दाम, दंड और भेद जैसे सभी हथकंडे अपनाने पर आमादा हैं, तब विशेष रूप से दलित और ओबीसी सहित बहुजन समाज के प्रत्येक वर्ग को चुनावी सफलता के लिए पूरी ताकत से जुटना होगा।

सऊदी अरब का कड़ा एक्शन, हवाई हमलों के बाद ईरानी सैन्य अटैची समेत 5 अधिकारी देश से निकाले

रियाद **(एजेंसी)**। सऊदी अरब और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। सऊदी सरकार ने ईरान पर 'खुलेआम हवाई हमलों' का आरोप लगाते हुए कड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। सऊदी विदेश मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में ईरान की कार्रवाई को 'स्पष्ट आक्रामकता' बताया। मंत्रालय के अनुसार, ये हमले न केवल सऊदी अरब बल्कि खाड़ी सहयोग परिषद के अन्य देशों और कई अरब-इस्लामिक राष्ट्रों को भी निशाना बना रहे हैं। सऊदी अरब का कहना है कि ईरान ने उसकी संप्रभुता, नागरिकों, आर्थिक हितों और राजनयिक परिसरों को निशाना बनाया, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों का गंभीर उल्लंघन है।

इस बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब ने ईरानी दूतावास के सैन्य अटैची, सहायक सैन्य अटैची और तीन अन्य अधिकारियों को निष्कासित करते हुए 24 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया है। सऊदी सरकार ने यह भी कहा कि ईरान की गतिविधियां बीजिंग समझौता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के खिलाफ हैं। रियाद ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद 51 का हवाला देते हुए साफ कहा कि वह अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा।इस घटनाक्रम से मिडिल ईस्ट में पहले से जारी संकट और गहरा सकता है, जिससे वैश्विक स्तर पर सुरक्षा और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं।

बैटिंग के दौरान जमीन पर गिरे शहीद के बेटे सोनल चंद्रा, मौत यूपीक्रिकेट जगत में शोक की लहर

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के शाहजहांपुर जिले से खेल के मैदान पर एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। जहां यूपी क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के पैनल अंपायर सोनल चंद्रा की मैच के दौरान अचानक मौत हो गई। 38 वर्षीय सोनल अपने दोस्तों के साथ क्रिकेट खेल रहे थे, तभी काल ने उन्हें अपनी आगोश में ले लिया। इस हादसे से खेल जगत और उनके परिवार में मातम पसरा है।

मामला रोजा थाना क्षेत्र के एक क्रिकेट ग्राउंड का है। आदर्श नगर कॉलोनी के रहने वाले सोनल चंद्रा रविवार को दोस्तों के साथ मैच खेलने पहुंचे थे। चश्मदीदों के मुताबिक, सोनल क्रीज पर बैटिंग कर रहे थे, तभी उन्हें अचानक तेज घबराहट महसूस हुई और वे पिच पर ही गिर पड़े। साथी खिलाड़ियों ने उन्हें तुरंत उठाया और मैदान की सीढ़ियों पर लिटाया। हालत बिगड़ती देख उन्हें आनन-फानन में निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सोनल को क्रिकेट और अपनी यादों को सहेजने का बहुत शौक था। मैच के दौरान वे अक्सर ड्रोन से वीडियो बनवाते थे।

संयोगवश, उनकी मौत से ठीक पहले का एक ड्रोन वीडियो सामने आया है, जिसमें वे क्रिकेट किट पहने और हाथ में बैट लिए मुस्कुराते हुए अपनी पारी की शुरुआत करते दिख रहे हैं। कुछ ही पलों बाद का दूसरा वीडियो दिल दहला देने वाला है, जिसमें वे बेसुध सीढ़ियों पर लेटे नजर आ रहे हैं।

सोनल चंद्रा का जीवन संघर्ष और गौरव से भरा था। उनके पिता बीएसएफ में तैनात थे और करीब 30 साल पहले देश की सीमा पर शहीद हो गए थे। सोनल ने अपनी मेहनत के दम पर तीन साल पहले ही उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के पैनल में अंपायर के रूप में जगह बनाई थी। उनकी मां सुनीता चंद्रा एक रिटायर्ड शिक्षिका हैं।

घटना के बाद परिजन बिना पुलिस को सूचना दिए शव को घर ले गए। रोजा थाना प्रभारी राजीव रंजन ने बताया कि फिलहाल उनके पास इस मामले की कोई आधिकारिक सूचना या तहरीर नहीं आई है। यदि शिकायत मिलती है, तो वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

खल्लारी मंदिर रोपवे हादसा
खल्लारी मंदिर में 1 की मौत, 17 घायल प्रशासन ने दिए हाई लेवल जांच के आदेश

रायपुर **(एजेंसी)**। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले से एक बेहद दुखद खबर आई है, जहां प्रसिद्ध खल्लारी माता मंदिर में रविवार को रोपवे का केबल टूट गया। नवरात्रि के चलते मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी, तभी अचानक हुए इस हादसे में एक महिला की जान चली गई और 17 लोग घायल हो गए। जमीन से लगभग 3, 000 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस पहाड़ी मंदिर में हादसे के बाद अफरा-तफरी मच गई। चश्मदीदों के मुताबिक, केबल टूटने से रोपवे की केबिन नीचे गिर गई, जिससे उसमें सवार यात्री गंभीर रूप से चोटिल हो गए।प्रशासन ने पुष्टि की है कि हादसे में घायल हुए 17 लोगों में से 5 की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। अन्य घायलों का स्थानीय अस्पतालों में प्राथमिक उपचार किया गया, जिसके बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

नवरात्रि के दौरान इस लोकप्रिय धार्मिक स्थल पर सुरक्षा के दावों के बीच हुए इस हादसे ने श्रद्धालुओं को झकझोर कर रख दिया है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन और बचाव दलों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू कर दिया था।

रोपवे जैसे संवेदनशील साधन के अचानक टूटने से मंदिर प्रबंधन और सुरक्षा मानकों पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। अधिकारियों ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह हादसा किसी तकनीकी खराबी की वजह से हुआ या फिर रखरखाव में लापरवाही बरती गई थी। विशेष रूप से नवरात्रि जैसे व्यस्त समय में, जब हजारों की संख्या में लोग पहाड़ी पर पहुंचते हैं, ऐसी चूक ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। जांच रिपोर्ट आने तक रोपवे सेवा को फिलहाल बंद रखा जा सकता है।

पूर्व भारतीय राजनयिक का बड़ा बयान
अमेरिका-इजराइल ने शुरु की जंग, ईरान सिर्फ जवाब दे रहा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच पूर्व भारतीय राजनयिक के.पी. फैबियन ने बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि मौजूदा संघर्ष की शुरुआत अमेरिका और इजराइल ने की, जबकि ईरान केवल जवाबी कार्रवाई कर रहा है। फैबियन के अनुसार, ईरान बेहद रणनीतिक तरीके से कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान का रुख संतुलित है वह अन्य देशों के जहाजों के लिए रास्ता खुला रखना चाहता है, लेकिन अमेरिका और इजराइल पर दबाव बनाए हुए है।

उन्होंने हाल ही में जापान के प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची की अमेरिका यात्रा और डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात का भी जिक्र किया। फैबियन के मुताबिक, इन कूटनीतिक वार्ताओं के बीच ईरान ने दो जापानी नागरिकों को रिहा करने जैसे कदम उठाए, जो उसकी रणनीति का हिस्सा है। परमाणु हमलों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के अनुसार किसी भी बड़े रेडिएशन रिसाव के संकेत नहीं मिले हैं, जिससे तत्काल परमाणु खतरे की पुष्टि नहीं होती।

इतिहास का उदाहरण देते हुए उन्होंने स्वेज नहर संकट का जिक्र किया और कहा कि पहले भी इस क्षेत्र में बड़ी शक्तियों के टकराव ने हालात बिगाड़े हैं। ऊर्जा संकट पर चिंता जताते हुए फैबियन ने कहा कि कतर की गैस उत्पादन क्षमता लगभग 17इ घट गई है, जिससे भारत सहित कई देशों पर असर पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि कतर को हर साल करीब 20 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है।

फैबियन ने यह भी कहा कि ईरान ने पहले परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए कई शर्तें मान ली थीं, लेकिन बेंजामिन नेतन्याहू के प्रभाव में अमेरिका ने इसे आगे नहीं बढ़ाया। उन्होंने इस पूरे संघर्ष को 'खतरनाक वैश्विक स्थिति' बताते हुए कहा कि त्योहार जैसे ईद के दौरान हमले होना बेहद दुखद है और यह दिखाता है कि हालात कितने गंभीर हो चुके हैं।

गैस सिलेंडर की जिद ने उजाड़ा घर! पहले चूल्हे पर खाना बनाने से किया मना, फिर 5 महीने के बच्चे संग लापता हुई पत्नी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के बाराबंकी जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक मामूली घरेलू फरमाइश पूरी ना होने पर एक पत्नी अपने दुधमुंहे बच्चे के साथ घर छोड़कर लापता हो गई है। विवाद की वजह सिर्फ इतनी थी कि पत्नी अब लकड़ियों के चूल्हे पर खाना नहीं बनाना चाहती थी और पति से गैस सिलेंडर भरवाने की मांग कर रही थी।

मामला घुंघटेर थाना क्षेत्र के बौधनी मजरे खटौली गांव का है। जहां के रहने वाले अनिल कुमार की शादी दो साल पहले सुमन देवी (29) से हुई थी। सोमवार की सुबह जब अनिल अपनी नाइट ड्यूटी खत्म कर घर लौटा, तो उसने देखा कि खाना तैयार नहीं है। जब उसने वजह पूछी, तो सुमन ने दो टूक कह दिया कि अब चूल्हे पर खाना नहीं बनाऊंगी, पहले गैस सिलेंडर भरवा कर लाओ।

गैस भरवाने की बात पर दोनों के बीच तीखी बहस हुई। विवाद के बाद थका-हारा अनिल अपने कमरे में सोने चला गया। इसी बीच सुमन ने अपना बैग पैक किया, घर में रखे 1000 रुपए नकद लिए और अपने 5 महीने के बेटे को लेकर घर से निकल गई। शाम 4 बजे जब अनिल की नींद खुली, तो पत्नी और बच्चा गायब थे।

पिछले तीन दिनों से अनिल अपनी पत्नी और बच्चे को रिश्तेदारों और आसपास के गांवों (मोहम्मदपुर खाला, सीतापुर आदि) में ढूंढ रहा है, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। रोते हुए अनिल ने अपनी पत्नी से अपील की है कि सुमन, जो भी गलती हुई हो मुझे माफ कर दो, बस एक बार वापस घर लौट आओ।

अनिल की शिकायत पर घुंघटेर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी बेचू यादव के अनुसार, पुलिस की टीमें महिला की तलाश में जुटी हैं और जल्द ही उसे सुरक्षित ढूंढ लिया जाएगा।

यूपी हेल्थ इंफ्रा को सीएम योगी का 'बूस्टर डोज' 1200 नरसिंग अधिकारियों को मिले नियुक्ति पत्र

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नर्सिंग को सेवा और संवेदना का पेशा बताते हुए रविवार को कहा कि जब सेवा और संवेदना मरीज के साथ सहयोगी बनती है तो उसके सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इसी भावना के साथ राज्य सरकार नर्सिंग अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ रही है। मुख्यमंत्री ने यहां चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित समारोह में उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग से चयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद अपने संबोधन में कहा, ''नर्सिंग का पेशा सेवा और संवेदना का है। आपकी सेवा और संवेदना जब मरीज के साथ जुड़ती है तो उसके परिणाम हम सबके सामने आते हैं।''

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इस अवसर पर 1, 228 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिए गए, जिनमें 1, 097 महिलाएं और 131 पुरुष शामिल हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''नवरात्र के अवसर पर बेटियों को नियुक्ति पत्र प्राप्त होना नारी शक्ति के सशक्तीकरण का आदर्श उदाहरण है। मैं सभी अभ्यर्थियों को हृदय से बधाई देता हूं और उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग को धन्यवाद देता हूं।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''वह दिन बीत गए जब यह सोचा जाता था कि मेडिकल कॉलेज या नर्सिंग कॉलेज खोलकर क्या होगा। मेडिकल शिक्षा महंगी हो सकती है, लेकिन नर्सिंग ऐसा क्षेत्र है जिसमें डिग्री लेने के बाद रोजगार की पूरी संभावना रहती है।'' उन्होंने कहा कि भारतीय नर्सिंग पेशेवरों की मांग केवल देश में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में हो रही है। योगी ने कहा, ''हाल में मैं जापान गया था, जहां बड़ी संख्या में नर्सिंग पेशेवरों की मांग की जा रही है। जर्मनी, कोरिया और यूरोप के अन्य देशों में भी भारतीय नर्सों की मांग है और उन्हें भरोसा है कि वे अच्छा कार्य करेंगी।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सा संस्थानों में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नर्सिंग अधिकारियों को सेवाओं से जोड़ रही है। उन्होंने कहा, ''आपका चयन लोकसेवा आयोग से हुआ है और अब चिकित्सा शिक्षा विभाग के माध्यम से आपको इस अभियान को आगे बढ़ाना है।'' पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में स्वास्थ्य ढांचा कमजोर था।

उन्होंने कहा, ''1947 से 2017 तक 70 वर्षों में प्रदेश में केवल 17 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे और निजी क्षेत्र सहित कुल संख्या 40 थी। आज सरकारी और निजी क्षेत्र मिलाकर इनकी संख्या बढ़कर 81 हो गई है। यह उपलब्धि नौ वर्षों के भीतर हासिल की गई है।'' स्वास्थ्य विभाग का दायित्व संभाल रहे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए नर्सिंग अधिकारियों को सेवा भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर वे सीधे संपर्क कर सकते हैं। समारोह को चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने भी संबोधित किया।

भारत की एनर्जी सप्लाई की टेंशन खत्म! एक तरफ रूस से आया क्रूड ऑयल तो दूसरी तरफ अमेरिका ने भेजा ईंधन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए न्यू मंगलुरु बंदरगाह पर दो महत्वपूर्ण जहाजों का आगमन हुआ है, जिसमें रूस से कच्चा तेल लेकर आया 'एक्वा टाइटन' और अमेरिका के टेक्सास से एलपीजी की बड़ी खेप लेकर पहुंचा 'पाइक्सिस पायनियर' शामिल हैं।'एक्वा टाइटन' उन सात रूसी टैंकरों में से पहला है, जिन्होंने अमेरिका से मिली विशेष छूट के बाद चीन का रास्ता छोड़कर भारत का रुख किया है, जबकि 'पाइक्सिस पायनियर' के आने से देश में चल रहे रसोई गैस के संकट में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इन दोनों जहाजों से ईंधन उतरने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिससे आने वाले दिनों में देश में कच्चे तेल और घरेलू गैस की सप्लाई में सुधार होगा। ईरान और इजरायल के बीच जारी युद्ध के कारण 'होर्मुज जलडमरूमध्य' बंद पड़ा है, जिससे दुनिया भर में तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है। भारत के लिए यह रास्ता बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां से भारत का लगभग 50 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में रसोई गैस आती है। ऐसे संकट के समय में रूसी तेल का भारत पहुंचना एक बड़ी राहत माना जा रहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, एक और बड़ा टैंकर 'स्वेजमैक्स जूजू एन' भी 25 मार्च तक गुजरात के सिक्का बंदरगाह पहुंचने की उम्मीद है। इन कदमों से भारत में तेल की कमी के खतरे को टालने में मदद मिलेगी।विशेषज्ञों का मानना है कि रूस और अमेरिका से समय पर पहुंचे इन ईंधनों की वजह से भारतीय रिफाइनरियों को बड़ी मजबूती मिलेगी और देश में तेल-गैस की अल्पकालिक कमी दूर हो जाएगी।

'नौ वर्ष' के उपलक्ष्य में उचित दर विक्रेताओं एवं कार्मिकों को प्रशस्ति-पत्र से नवाजा गया

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। प्रदेश सरकार के 'नव निर्माण के नौ वर्ष' पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद में विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी है। इसी क्रम में जिला पूर्ति अधिकारी मंगेश कुमार मौर्य ने अपने विभाग के उत्कृष्ट कार्य करने वाले उचित दर विक्रेताओं एवं कार्मिकों को सम्मानित किया।

ज्ञात हो कि इस अवसर पर उचित दर विक्रेता नीरज देवी एवं सोनिया देवी को वितरण प्रणाली में पारदर्शिता एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही विभागीय कार्मिक दिनेश सिंह, संदीप कुमार एवं बद्री प्रसाद को भी उनके कर्तव्यनिष्ठ एवं सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। जिला पूर्ति अधिकारी ने कहा कि जन वितरण प्रणाली को सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने में इनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने का संकल्प लिया।

किसान-नौजवान-मजदूर सम्मेलन में सपा ने भाजपा सरकार पर बोला हमला

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी की ओर से किसान, नौजवान और मजदूर सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व विधायक अमर सिंह चौधरी के संयोजन में आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री व सपा सांसद रामप्रसाद चौधरी तथा पूर्व मंत्री शैलेन्द्र उर्फ ललई यादव शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, नौजवान, मजदूर, जिलास्तरीय पदाधिकारी और पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सपा नेताओं ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर किसानों, नौजवानों और गरीबों के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। वक्ताओं ने कहा कि सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। किसानों को गलत नीतियों के कारण संकट झेलना पड़ रहा है, जबकि नौजवान रोजगार के लिए भटक रहे हैं और उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नेताओं ने आने वाले चुनाव में भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने का आह्वान किया। मीडिया से बातचीत में पूर्व मंत्री व सपा सांसद रामप्रसाद चौधरी और पूर्व मंत्री शैलेन्द्र उर्फ ललई यादव ने कहा कि शोहरतगढ़ में आयोजित यह सम्मेलन समाज के सभी वर्गों को भाजपा सरकार की नीतियों से अवगत कराने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने कहा कि जनता को सरकार के कथित झूठे वादों और हकीकत के बीच फर्क समझना होगा, ताकि आगामी चुनाव में सही निर्णय लिया जा सके। पूर्व विधायक अमर सिंह चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि गैस एजेंसियों पर किसानों, गरीबों और महिलाओं की लंबी कतारें लग रही हैं। गैस की कमी का असर छोटे दुकानदारों पर भी पड़ रहा है, जिससे उनकी रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। उन्होंने मनरेगा की स्थिति पर भी चिंता जताते हुए कहा कि गांवों में मजदूरों को समय पर मजदूरी नहीं मिल रही है, जिससे उनकी आर्थिक हालत खराब हो रही है। उन्होंने कहा कि मजदूरों की आमदनी दोगुनी नहीं हुई, बल्कि किसानों की लागत जरूर बढ़ी है। वर्ष 2014 में बेरोजगारी दूर करने का वादा भी पूरा नहीं हुआ। कार्यक्रम में सपा के स्टार गायक धर्मेंद्र सोलंकी ने बिरहा गीतों के माध्यम से भाजपा सरकार पर कटाक्ष किया और उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। सम्मेलन को बांसी के पूर्व विधायक एवं सपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव, डुमरियागंज विधायक सैयदा खातून, लोकतंत्र सेनानी बेचई यादव, राममिलन भारती और प्रदीप पत्थरकट्ट ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन घिसियावान यादव ने किया। इस दौरान सपा नेत्री विभा शुक्ला, जावेद अहमद, अलाउद्दीन, हरिराम यादव, कमरुज्जमा, रिंधु पासवान, विजय चौधरी, रामसेवक लोधी, धीरू यादव, राम यादव, अंगद यादव, पप्पू यादव, अब्दुल कलाम, अवनिंद्र चौधरी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा कौशाम्बी को मिली नई जिला कार्यकारिणी अनुभव और युवा शक्ति का संगम

कौशाम्बी। प्रदेश नेतृत्व की संस्तुति पर भाजपा कौशाम्बी के जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने शनिवार की रात जिला पदाधिकारियों की नई सूची जारी की। नई कार्यकारिणी की घोषणा होते ही कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि नई टीम में संगठन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया

गया है। अनुभवी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ नए चेहरों, महिलाओं और युवक-युवतियों को भी उचित प्रतिनिधित्व दिया गया है। धर्मराज मौर्य ने कहा कि यह टीम न केवल कार्यकर्ताओं की मेहनत का सम्मान है, बल्कि भविष्य की रणनीति का मजबूत आधार भी है। नई टीम सामाजिक समरसता, जनसेवा और संगठन की जड़ों को और गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

305 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना से जगी खुशियाँ

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। प्रदेश सरकार के 'नव निर्माण के नौ वर्ष' पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बस डिपो परिसर, मंझनपुर में भव्य मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य, नगर पालिका परिषद भरवारी की अध्यक्ष कविता पासी, निवर्तमान विधायक लाल बहादुर, जितेन्द्र सोनकर, हुबलाल दिवाकर, चन्द्र दत्त शुक्ल एवं मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया तथा नवदम्पतियों को आशीर्वाद देते हुए सुखमय एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की मंगलकामना की।

ज्ञात हो कि इस कार्यक्रम में कुल 305 जोड़े विवाह बंधन में बंधे, जिनमें एक जोड़ा मुस्लिम समुदाय से भी सम्मिलित रहा। समारोह में वैदिक मंत्रोच्चार एवं सभी धर्मों के पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह संपन्न कराए गए। जिला समाज कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत प्रति जोड़े एक लाख रुपये का प्रावधान है – जिसमें 60 हजार रुपये कन्या के खाते में हस्तांतरित किए जाते हैं, 25 हजार रुपये से घरेलू सामान दिया जाता है और 15 हजार रुपये आयोजन पर व्यय किए जाते हैं। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हो रही है।

क्षेत्राधिकारी ने सुनी आमजन की फरियाद शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सिराथू के सर्किल कार्यालय में क्षेत्राधिकारी सिराथू द्वारा जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आमजन की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया।

ज्ञात हो कि जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए क्षेत्राधिकारी ने संबंधित प्रभारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस पहल से क्षेत्र की जनता में प्रशासन के प्रति विश्वास और संतोष का भाव दिखा।

भारद्वाज गुरुकुलम विद्यालय का वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भरद्वाज गुरुकुलम रुदापुर विद्यालय का वार्षिकोत्सव समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ ओमप्रकाश त्रिपाठी द्वारा की गई।इसके पश्चात विद्यालय के बच्चों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए उच्च न्यायालय के अधिवक्ता राजीव सिंह और राजेंद्र पांडे ने अपने प्रेरणादायक विचारों से सभी का मन मोह लिया। राजीव सिंह ने कहा कि बच्चों को पाठ्यक्रम की शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति, देशभक्ति, उदारता और भाईचारे की भावना भी विकसित करनी चाहिए। उन्होंने छात्रों को विद्यालय से प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया।वहीं राजेंद्र पांडे ने कहा कि बच्चों में सच्चाई, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का विकास करना शिक्षकों की जिम्मेदारी है, जिससे वे अपने चुने हुए क्षेत्र में बिना किसी भ्रम के आगे बढ़ सकें। उन्होंने अभिभावकों और शिक्षकों से बच्चों की अभिरुचि के अनुरूप उन्हें मार्गदर्शन देने की अपील की।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय के संयोजक देवराज उपाध्याय ने कहा कि बच्चों को योजनाबद्ध तरीके से पढ़ाई करनी चाहिए और जीवन में सच्चाई व ईमानदारी को अपनाना चाहिए।इस अवसर पर अपर न्यायाधीश, पटना द्वारा मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के बेहतर तरीके भी बताए। पुरस्कार वितरण में हरिनारायण सिंह, मदन मोहन जायसवाल, अशफाक अहमद, सुनील पांडेय डीडी भगनानी, सायरा बानो, निशा सिंह एवं ब्लॉक प्रमुख श्रीमती गीता सिंह का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में बच्चों को फ्रीज, साइकिल, कूलर, पंखे, मेडल, ट्रॉफी सहित अन्य उपयोगी सामग्री प्रदान की गई। पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।अंत में विद्यालय के प्रबंधक ने कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

भाजपा महानगर महामंत्री बनने पर डा. शैलेश पाण्डेय को दी बधाई

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, इंटर कॉलेज के वरिष्ठ प्रवक एवं सह-संयोजक, राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर (उत्तर प्रदेश) डॉ. शैलेश कुमार पांडेय को प्रयागराज महानगर भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री बनाए जाने पर बडी संख्या में लोगों ने रसूलाबाद आवास पर आज जाकर बधाई और शुभकामनाएं दी। इस दौरान भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, काशी क्षेत्र की महिला मोर्चा महामंत्री श्रीमती वंदना सिंह, जगदीश, रावेन्द्र सहित बडी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता ने बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा और संगठन के माध्यम से समाज और राष्ट्र की सेवा में आपका योगदान प्रेरणादायक है। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की मंगल कामना करता हूं।

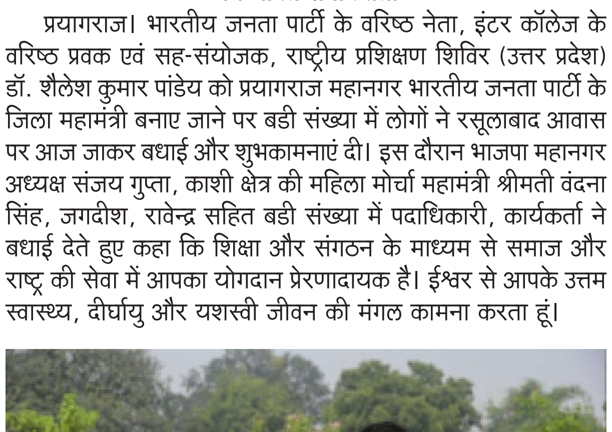

स्कोडा ऑटो इंडिया ने 'ईज़ी टू लव' नई कुशाक के लॉन्च के साथ ब्रांड स्टॉक एक्सचेंज और स्टार्टअप को नए स्टूडेंट के रूप में परिभाषित किया

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। स्कोडा ऑटो इंडिया ने रिफ्रेश्ड और बेसिक नई कुशाक की नवीनतम और ग्राहक सेवा शुरू होने की घोषणा की है। इस साल जनवरी में लॉन्च हुई नई कुशाक, वैल्यूएशन, एएसटीए, ड्राइविंग नैक्स के मामले में यूरोपियन टेक्नोलॉजी की पूरी रेंज में आम लोगों के लिए ब्रांड की रणनीति को आगे बढ़ाया गया है। क्लास-फर्स्ट टेक्नोलॉजी जैसे बिल्कुल नए एट- स्टिरियो स्टूडियो कन्वर्टर मेमोरियल स्टूडियो, एसोसिएट सीट मिक्सर, और कई नए फीचर्स के साथ स्टैंडर्ड इक्विपमेंट के साथ, नई कुशाक 1.0 टीएसआई और नई कुशाक 1.5 टीएसआई बोथ ही स्कोडा ऑटो इंडिया की यूरोपियन इंजीनियरिंग और 5-स्टार शालीमार कंपनियों को भारतीय कंपनियों पर अधिक आसानी से चलने वाली बनाने की रणनीतियाँ सिखाती हैं। नए कुशाक पांच स्टूडियो में उपलब्ध हैः क्लासिक्र, सिग्नेचर, स्पोर्टलाइन, प्रेस्टीज और मोंटे कार्लो, जो स्टूडियो और रियल स्टूडेंट स्टूडियो

के साथ टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन का प्लेसमेंट है।

कस्टमर्स के पास आठ रंग हैं - कैंडी व्हाइट, कार्बन स्टील, ब्रिलियंट सिल्वर, लावा ब्लू, और डीप ब्लैक - में तीन बिल्कुल नए रंग शामिल हैः ग्रीन, स्टील ग्रे, और चेरी रेड। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, 'स्कोडा में हमारा मिशन यूरोपियन टेक्नोलॉजी को सामान्य रूप से उपलब्ध ग्राहकों के लिए आसान बनाना है। नई कुशाक के साथ, हम पूरी रेंज में उत्पादों को नई विशिष्टता से जोड़ते हैं। नई कुशाक में विभिन्न कंपनियों के कॉम्पिटिट इक्विटीज, बेहतर मानक सहायक और सर्वांगीण कंपनियों के सामान सबसे नीचे हैं। उत्पादन में पहली बार दिए गए शेयरों में प्रमुख हैं- 8 प्रमुख फर्में, प्रमुख कंपनियां, और अधिक स्थिर कंपनियां, प्रमुख कंपनियां। क्लासिक से ही शानदार वैल्यूएशन दिए गए हैं। क्लास-लिडिंग रेजिडेंशियल, बेजॉड ड्राइविंग कमांड्स और ऑनरशिप का गौरव नए कुशाक के मानक के साथ आता है, जैसा कि हर स्कोडा के साथ होता है।' नई कुशाक 1.0 टीएसआई नई कुशाक ने अपनी वेबसाइट पर विशेष रूप से टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन लाइन-अप जारी किया है। कुशाक 1.0 टीएसआई में छह- स्कोडा के ड्राइविंग एक्सपीरियंस को पूरी तरह से बदल दिया गया है। यह एसयूवी अपने टर्बोचार्ज्ड इंजन से 85 किलोवाट की पावर और 178 एनएम का आउटपुट देती है। 1.0 टीएसआई मानक 19.66 किमी/लीटर - एआरएआई की ईंधन दक्षता देता है, जबकि 8- स्कॉट्रिक आर्किटेक्चर 19.09 किमी/लीटर।

भजन संध्या, होली मिलन समारोह

प्रयागराज। हरिश्याम मानव कल्याण, शिक्षा एवं शोध संस्थान अम्बेडकर विहार, चौफटका, प्रयागराज की ओर से भजन संध्या और होली मिलन समारोह 28 मार्च शनिवार शाम पांच बजे से अम्बेडकर विहार, चौफटका परिसर में होगा। संस्था के सचिव एवं कार्यक्रम के आयोजक राजीव कुमार मिश्र ने बताया कि भजन संध्या प्रसिद्ध भजन गायक पं रत्नेश दुबे प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में शिक्षाविद, समाजसेवी और अन्य लोग शामिल होंगे।

ज़ी टीवी की हीरोइनों ने ज़ी कुटुंब अवॉर्ड्स 2026 के मंच पर दिखाया शक्ति का रूप

प्रयागराज। ज़ी कुटुंब अवॉर्ड्स 2026 इस बार शक्ति और कहानी के एक शानदारँ संगम में बदल गया, जब ज़ी टीवी की लीड एक्ट्रेसेस ने अपने ऑन-स्क्रीन किरदारों से आगे बढ़कर देवी के रूप को मंच पर ज़िंदा कर दिया।

भव्य राम जन्मोत्सव आयोजन को लेकर मंदिर समिति ने बनाई रूपरेखा

सिद्धार्थनगर। जिले के नवरात्रि पर्व एवं भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कमेटी के महामंत्री मनोज कुमार गुप्ता द्वारा रविवार को मंदिर परिसर में श्रीराम जानकी मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारियों की बैठक बुलाई गयी। बैठक समिति के अध्यक्ष नंदू गौड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें कार्यक्रम को भव्य रूप से मनाने पर चर्चा किया गया।मंदिर कमेटी के अध्यक्ष नंदू गौड़ ने कहा कि भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव हर वर्ष श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष भी कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए रूपरेखा तय की जा रही है। इसके लिए समिति के पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, ताकि आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। समिति के संरक्षक एवं चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने कहा कि कार्यक्रम की भव्यता और सुव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए बैठक बुलाई गई है। बैठक में श्याम बाबा मंदिर के नवनिर्माण को लेकर भी चर्चा हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि फिलहाल मंदिर निर्माण को लेकर समिति की ओर से कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं किया गया है।बैठक का संचालन कमेटी के महामंत्री मनोज गुप्ता ने किया। इस अवसर पर शिवपूजन वर्मा 'भोलेनाथ', किशोरी लाल, राजकुमार मोदनवाल, महाबीर वर्मा, शैलेन्द्र कौशल, दिलीप वर्मा, रंजीत मित्तल, अशोक दूबे, रामकुमार कसौधन, दिनेश कुमार, रामसेवक गुप्ता, अनूप कसौधन, बीरेंद्र गौड़, बीएन तिवारी, चंचल मित्तल, सुनील शर्मा, श्रवण पटवा, सर्वेश कुमार खेतान, पिंकू त्रिपाठी, महेश कसौधन, चिंटू भारती, रिंकू वर्मा, जीतेन्द्र पाण्डेय, रामकुमार कसौधन, दिनेश कुमार, रामसेवक कसौधन, दिनेश यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

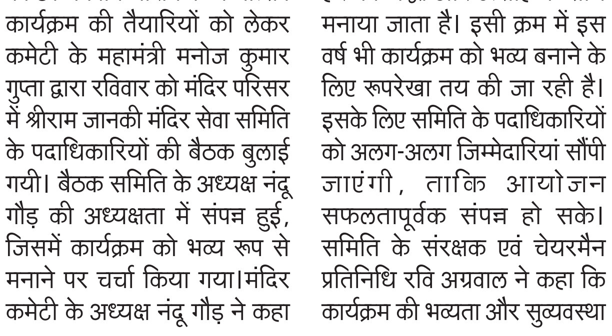

पुलिस द्वारा तीन नफर वारण्टीयों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत, प्रशांत कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में, मयंक द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के कुशल पर्यवेक्षण व राजेश कुमार गुप्ता प्रभारी निरीक्षक चिल्हिया के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तथा वाद सं0 31028/23 धारा 323, 504, 506 भादवि से सम्बन्धित 02 नफर वारण्टी व वाद सं0 309/19 धारा 4/25 आर्म्स एक्ट से सम्बन्धित 01 नफर वारण्टी कुल 03 नफर वारंटियों को पुलिस उप निरीक्षक वीरेन्द्र सिंह यादव, उप निरीक्षक लालचन्द यादव, कांस्टेबल दिनेश यादव, पीआरडी जाकिर हुसैन की टीम ने गिरफ्तार कर भेजा न्यायालय।

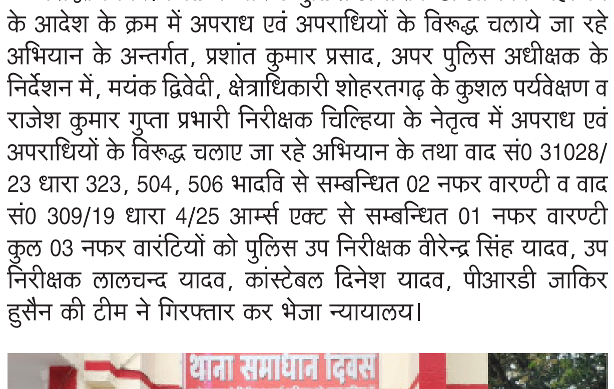

पुलिस ने महिला सुरक्षा के बारे में पम्पलेट वितरित कर महिलाओं और बालिकाओं किया जागरुक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेन्दु सिंह तथा थानाध्यक्ष जोगिया उदयपुर अभय सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना क्षेत्र के योग माया मंदिर पर महिलाओं को मिशन शक्ति टीम उप निरीक्षक आनंद शाही, महिला कांस्टेबल पूजा यादव द्वारा साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

उप्र जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ जनपद इकाई का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

शिक्षक समाज का होता है दर्पण : डॉ वीके सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) जनपद इकाई प्रयागराज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने जिला पंचायत सभागार में आयोजित समारोह में पद एवं गोपनीयता की आज शपथ ली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीके सिंह, विशिष्ट अतिथि फूलपुर के विधायक दीपक पटेल व पूर्व विधायक प्रशांत सिंह थे। मंडल अध्यक्ष अलका बाजपेई ने विनोद कुमार पांडेय अध्यक्ष, राजेंद्र अनुरागी महामंत्री, विजय सिंह पटेल कोषाध्यक्ष, विनोद कुमार मिश्र, पंकज कुमार त्रिपाठी, रोहिताश्व तिवारी, इंद्रेश कुमार तविरी, प्रमिला शर्मा, दुर्गा जायसवाल, जया शर्मा, कल्पना चौधरी उपाध्यक्ष, ज्योति जायसवाल मंत्री, योगेश प्रताप सिंह, प्रवीन कुमार शुक्ल, निशा शुक्ला, संध्या सिंह, रश्मि शर्मा, मनोरमा मिश्रा, सुमन रविदास, संजय शर्मा संयुक्त मंत्री, मुकेश श्रीवास्तव लेखाकार, सत्यांजलि मिश्रा आय व्यय निरीक्षक भारतेन्द्र कुमार त्रिपाठी मीडिया प्रभारी, रंजना पांडेय प्रवक्ता को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाया।

मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ वीके सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ शिक्षकों के हितों के लिए हमेशा समर्पित होकर कार्य करता रहा हैं।आगे सभी नव निर्वाचित पदाधिकारी निष्ठा पूर्वक कार्य करते रहेंगे।शिक्षक समाज का दर्पण होता है समाज के निर्माण में उसकी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।विधायक दीपक पटेल ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए माल्यार्पण कर व अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। पूर्व विधायक प्रशांत सिंह ने पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना किया। इस अवसर पर सीमा सिंह प्रांतीय उपाध्यक्ष, भूपेंद्र वीर सिंह वरिष्ठ मंडल उपाध्यक्ष, अनीता पांडेय मंडल उपाध्यक्ष, अजीत प्रताप सिंह, यामवंत सिंह, मनोज पाठक, शकील अहमद, दिलीप यादव, उमापति पांडेय, दिनेश मिश्र, रत्नेश यादव, गुणेश तिवारी, श्यामाकांत द्विवेदी, धर्मेन्द्र पांडेय, अंकिता शुक्ला, शत्रुंजय शर्मा, जितेन्द्र कुमार शर्मा, रामजी संतोषी, संतोष जायसवाल, संजय जायसवाल आदि लोग उपस्थित रहे। संचालन ब्रह्म प्रकाश तिवारी ने किया।

त्याग तपस्या के बल पर भाजपा का हुआ उदय : महापौर गणेश केसरवानी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान 2026 के अंतर्गत भाजपा खुल्दाबाद मंडल की कार्यशाला मंगल कार्यालय खुल्दाबाद में आयोजित किया गया

इस अवसर कार्यशाला में मुख्य वक्ता महापौर गणेश केसरवानी कार्यकर्ताओं को भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक अधिष्ठान एवं पांच निष्ठा के बारे में जानकारी दी और कहा कि भारतीय जनता पार्टी त्याग तपस्या के बल पर उदय हुई है और अपने पांच निष्ठाओं के बल पर राष्ट्रवाद का अलख जगा रही है

उन्होंने आगे कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय किस सिद्धांत पर चलने वाली भारतीय जनता पार्टी है और उनके द्वारा दिए जाने वाला अंत्योदय का सिद्धांत को लेकर केंद्र की मोदी एवं प्रदेश की योगी सरकार लगातार गरीब कल्याण का कार्य कर रही है और उनके जीवन में विकास की रोशनी ला रही है

कार्यशाला की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अपूर्व चंद्रा ने किया संचालन गौरव गुप्ता ने किया कार्यशाला में महानगर की पूर्व मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी, मंडल महामंत्री अनिल विश्वकर्मा उपाध्यक्ष नितिन चौरसिया धीरज कुशवाहा गौरांग छिब्बर मुन्ना शर्मा मंडल मंत्री पूजा जायसवाल अनिल चौहान अचल सोनकर शक्ति केंद्र संयोजक स्वप्निल केसरवानी जितेश श्रीवास्तव सूरज कुमार संजय केसरवानी धीरेंद्र चौहान अनिल चौरसिया दीनबंधु चटर्जी जुबेर अहमद सुधीर केसरवानी धर्मेंद्र चौहान विनोद पाल अनिकेश श्रीवास्तव आर्यन श्रीवास्तव आदित्य कुशवाहा आकाश श्रीवास्तव आकर्ष गुप्ता अजय केसरवानी श्लोक केसरवानी अभिजीत श्रीवास्तव हितेश श्रीवास्तव योगेश्वर मनी बबलू सोनी दिगंबर त्रिपाठी सावन जोगी अनुराग सोनकर राजेश कुशवाहा, मधु सोनकर, कमल वासन , अनिमेष अग्रवाल, सुरेश गुप्ता रजत सोनकर आदि मुख्य रूप से उपस्थित रही

शहीदी दिवस के पूर्व संध्या पर क्रांतिकारी भगत सिंह , सुखदेव राजगुरु को दी गई श्रद्धांजलि

आज भी भारत के जर्रे जर्रे में भगत सिंह का इंकलाब गूंजता है : राजेश केसरवानी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अमर क्रांतिकारी श्रद्धांजलि ग्रुप के द्वारा मुंशी राम प्रसाद की बगिया मुट्ठीगंज में शहीदी दिवस के पूर्व संध्या पर क्रांतिकारी भगत सिंह सुखदेव राजगुरु को दीप जलाकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई इस अवसर भाजपा नेता कुमार नारायण एवं ग्रुप के अध्यक्ष राजेश केसरवानी ने कहा कि भगत सिंह की इंकलाब की गूंज से अंग्रेजी हुकूमत नींव हिल गई थी उनके द्वारा असेंबली में बम फोड़ जाना और जेल के अंदर रहकर 72 दिनों तक भूखे रहना भारतीयों के लिए एक आंदोलन था जिसके कारण अंग्रेजी हुकूमत को भगत सिंह के सामने झुकना पड़ा और सुखदेव राजगुरु के साथ भगत सिंह को 23 मार्च 1931 को लाहौर की जेल में फांसी की सजा मिली, मां भारती की आजादी के लिए दिया गया यह बलिदान भारत सदैव याद करता रहेगा और आज भी भारत के जर्रे जर्रे में भगत सिंह का इंकलाब गूंजता है।

संचालन शत्रुघ्न जायसवाल ने किया समापन एवं धन्यवाद अजय अग्रहरि ने किया। इस अवसर पर वीर शहीदों को जनहित कारिणी समिति के प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता सुशील जैन, अभिलाष केसरवानी, विवेक अग्रवाल मनोज मिश्रा, नीरज केसरवानी, अशोक गुप्ता सरदार पतविंदर , सरदार परविंदर, मनोज सिंह, अभिमन्यु, आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

एंटी रोमियो टीम द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति 5.0' फेज 2 अभियान

महिलाओं एवं बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन का संदेश देते हुए किया जागरूक

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज महोदय के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण' के तहत जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति / एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया।

जिला समिति की बैठक आज, तब होगा 47 अभ्यर्थियों का पद स्थापन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। परिषदीय उच्च प्राथमिक स्कूलों में विज्ञान और गणित विषय की 29334 सहायक अध्यापक भर्ती में चयनित 52 अभ्यर्थियों में से 47 अभ्यर्थियों का पद स्थापन / नियुक्ति पत्र मंगलवार को प्रयागराज में जिला समिति की बैठक में निर्णय के बाद होगा। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि नियुक्त पत्र / पद स्थापन के लिए बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव से निर्देश मांगा गया है। उल्लेखनीय है कि 52 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग सर्व शिक्षा अभियान कार्यालय मम्फोर्डगंज में हुई थी जिसमें 47 अभ्यर्थी शामिल हुए जबकि पांच अभ्यर्थी काउंसलिंग में शामिल नही हुए थे।

बीएसए अनिल कुमार ने बीईओ होलागढ लालजी शर्मा, बीईओ बहरिया शिव औतार, सैदाबाद बीईओ अखिलेश कुमार, बीईओ कौडिहार क्षमाशंकर और नगर क्षेत्र प्रतिभा सिंह ने अभ्यर्थियों की काउंसलिंग की और उनके सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों को जमा

कराया। अभ्यर्थियों ने अपने साथ लाये सभी मूल शैक्षिक, प्रशिक्षण अभिलेखों, मूल निवास, जाति प्रमाण पत्र व मूल पहचान पत्र (आधार कार्ड व पैन कार्ड) कार्यालय में जमा कराकर उसकी जांच किया। अभ्यर्थी 29334 गणित और विज्ञान भर्ती के आनलाइन आवेदन की प्रति, रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा करने की रसीद व पूरित आवेदनपत्र की प्रति जमा किया। निर्धारित शपथपत्र एवं आफलाइन आवेदनपत्र भरकर जनपदीय चयन समिति के समक्ष उपस्थित हुए।

किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप, मुकदमा दर्ज नहीं

थरवई। थाना क्षेत्र के एक गांव से 14 वर्षीय किशोरी को गांव का ही बीस वर्षीय युवक बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना को लेकर पीड़िता के पिता ने रविवार को थरवई थाने में तहरीर दी, लेकिन समाचार लिखे जाने तक पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज नहीं किया गया था।पीड़ित पिता के अनुसार उनकी नाबालिग पुत्री को गांव का एक युवक शनिवार रात्रि 9:00 बजे बहला-फुसलाकर अपने साथभगा ले गया है। काफी खोजबीन के बाद भी किशोरी का कोई सुराग नहीं लग सका है। उन्होंने आशंका जताई है कि युवक उनकी पुत्री को कहीं दूर ले गया है। बताया जा रहा है कि किशोरी और आरोपी युवक अलग-अलग जाति के हैं, इस संबंध में थरवई पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

मां कल्याणी देवी का कूष्माण्डा स्वरूप का श्रृंगार दर्शन के लिए भक्तों उमड़ी की भीड़

अहंकार मनुष्य के सद्गुण को खा जाता है-डाक्टर अनिरुद्ध जी महाराज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मां कल्याणी देवी मंदिर धाम में चल रहे नवरात्रि महोत्सव के चतुर्थ दिवस पर प्रातःकाल 5 बजे महामंत्री श्याम जी पाठक ने विधि विधान पूर्वक माता कल्याणी की मंगला आरती एवं पूजन कर मां कूष्माण्डा देवी का आह्वान किया और मां कल्याणी देवी का कूष्माण्डा स्वरूप के दर्शन प्राप्त करने के लिए सुबह से मध्य रात्रि तक भक्तों की अपार भीड़ की कतार लगी रही और मां का अनुपम श्रृंगार का दर्शन प्राप्त कर कृत हो गए।

जोर जोर से मां का जयकारा लगाते रहे इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालुओं ने भजन गा कर मां का गुणगान किया और शतचंडी महायज्ञ में अपनी आहुति दी और यज्ञशाला की परिक्रमा करते हुए कल्याण की कामना की। और शाम 7 बजे मां की महाआरती और रात्रि 12 बजे शयन आरती अध्यक्ष सुशील कुमार पाठक के द्वारा किया गया इस दौरान उन्होंने कहा कि 21 मार्च सोमवार पंचमी को भगवती मां कल्याणी का स्कन्द माता के स्वरूप में श्रृंगार दर्शन किया जाएगा। मां सिंह पर सवार होकर चार भुजा धारण करेंगी। और अपने गोद में षडानन जी को बैठाए रहेंगी मां का श्रृंगार मोती के आभूषणों एवं बेला गुलाब के पुष्पों के द्वारा किया जाएगा और मां का गर्भ गृह की साज सज्जा अनेक प्रकार के पुष्पगुच्छों के द्वारा किए जाएंगे।इस अवसर मां कल्याण देवी मंदिर के अंतर्गत श्री नवसंवत्सर मानस समिति के द्वारा आयोजित किए जा रहे श्री राम कथा के चतुर्थ दिवस पर भक्तों को कथा का रसपान कराते हुए।

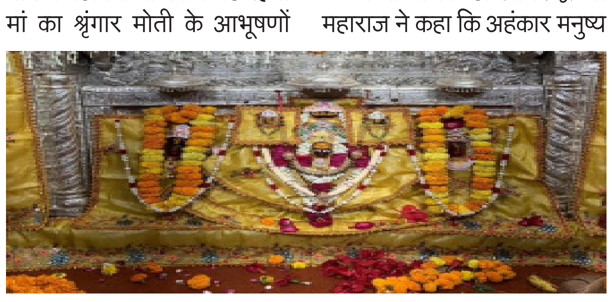

कथा वाचक डा अनिरुद्ध जी महाराज ने कहा कि अहंकार मनुष्य के सद्गुण को खा जाता है जिसका प्रमाण लंका काण्ड में गोस्वामी तुलसीदास जी ने वर्णित करते हुए उल्लेख किया है और कथा सुनाते हुए व्यास जी ने कहा कुंभकर्ण ने रावण को भक्ति और ज्ञान की बात बताई पर रावण ने बात नहीं मानी।तब कुंभकर्ण ने भाई के स्वाभिमान के लिए युद्ध में जाना स्वीकार किया और रामदल में हाहाकार मचा दिया।अंत प्रभु श्री राम के द्वारा उसका अंत हुआ।

कथा का संचालन प्रवक्ता ओंकार नाथ त्रिपाठी ने किया। इस अवसर अध्यक्ष पूर्व विधायक उदय भान करवरिया, अनिल कुमार पाठक, राजेश केसरवानी, कृष्ण कुमार पाठक, राजू यादव, कुंवर जी टंडन, ने भक्तों के साथ कथा श्रवण कर आरती की।

27 वर्षो से चैत्र प्रतिपदा, शरदीय नवरात्रि में कर रहे अखंड सतचंडी अनुष्ठान

मां भगवती सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करें : स्वामी हरिनारायण समदर्शी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। छत्रपति शिवाजी महाराज के 13वीं पीढ़ी वंशज के राजगुरू स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज आराध्य तपोस्थली पुणे महाराष्ट्र में चैत्र नवरात्रि महापर्व के उपलक्ष में आज नवरात्रि के चतुर्थ दिवस चतुर्थी तिथि पर विश्व कल्याण के लिए नौ दिवसीय सतचंडी पाठ, पशुपतार्थ मंत्र के साथ अखंड तपस्या अनुष्ठान साधना दिन - रात कर रहे है। स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज ने बताया कि मां भगवती से प्रार्थना करता हूं कि आप सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों, मां भगवती से कामना, प्रार्थना करता हूं कि आप सभी के कष्ट, परेशानियां खत्म हो, जीवन मंगलमय हो, सभी प्रकार की खुशियां मिले और सभी उन्नति करें।

स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज का सिद्धेश्वर पुरुषार्थ दंडी स्वामी बालक आश्रम अध्यक्ष चित्रकूट, अरैल प्रयागराज और आराध्य तपोस्थली आश्रम पुणे महाराष्ट्र में नौ दिवसीय सतचंडी पाठ, पशुपतार्थ मंत्र के साथ अखंड तपस्या अनुष्ठान साधना दिन - रात चल रही है। तपोस्थली आश्रम, पुणे के स्वामी हरिनारायण समदर्शी महराज विश्व शांति, लोगों की उन्नति और कल्याण के लिए निरंतर 27 वर्षो से चैत्र प्रतिपदा और शरदीय नवरात्रि में अखंड सतचंडी अनुष्ठान कर रहे है।

पहले गिरनार पर्वत, विंध्याचल, उज्जैन, कामरु और कामाख्या आदि शक्तिपीठों में विश्व कल्याण के लिए अनुष्ठान कर रहे है। अब यह अनुष्ठान 15 वर्षो से स्वामी हरिनारायण समदर्शी तपोस्थली आश्रम, पुणे में कर रहे है। कोरोना काल में महामारी दूर करने के लिए स्वामी हरिनारायण समदर्शी तपोस्थली आश्रम से एक किलोमीटर निकट पुणे सिद्धेश्वर पुरुषार्थ आश्रम की भूमि पर हजारों लाल मिर्च से सिद्ध हवन किया था। वह प्रयागराज के विश्व प्रसिद्ध माघ मेला, अर्द्ध कुंभ मेला और कुंभ मेला के दौरान माहभर पूजन, अर्चन करते हुए दिन - रात विशाल भण्डारा चलाते है जिसमें लाखों लोग प्रसाद ग्रहण करते हुए आशीर्वाद प्राप्त करते है।

'वाया' के सहयोग से मिली कर्ज से मुक्ति तो मुस्कुराया सीए विकास गर्ग का परिवार

वाया' का यही है उद्देश्य, जब कोई अपना मुश्किल में हो तो उसे अकेला न छोड़ा जाए : नन्दी

कर्ज से मुक्ति मिलते ही दिल्ली के सीए विकास गर्ग को दुबारा मिली नौकरी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी, हल्दीराम, केंट आरओ के साथ ही देश के कई प्रतिष्ठित उद्यमियों के सहयोग से वैश्य समाज के लोगों की मदद के लिए संचालित वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन 'वाया' का एक छोटा सा प्रयास कर्ज के बोझ तले दबे दिल्ली के पश्चिम विहार में रहने वाले सीए विकास गर्ग एवं डॉ. सारिका गर्ग के परिवार के लिए जीवनदायिनी के साथ ही टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन द्वारा बकायदारों को कर्ज का भुगतान करने से सीए परिवार को न सिर्फ राहत मिली, बल्कि सीए विकास गर्ग को दुबारा नौकरी मिल गई। बेपटरी हो चुके जीवन के वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन के सहयोग से दुबारा पटरी पर आने पर सीए विकास गर्ग के साथ ही पूरे परिवार ने आभार जताया है।

पश्चिम विहार दिल्ली में किराए के मकान में रहने वाले ऐं विकास गर्ग और डॉ. सारिका गर्ग का परिवार पिछले कुछ वर्षों से कई समस्याओं से जूझ रहा था।

गंभीर बीमारी के कारण सीए विकास गर्ग की नौकरी छूट गई। जिससे परिवार की आय लगभग खत्म हो गई। घर चलाने की मजबूरी में उन्होंने अपनी मेहनत की बचत लगाकर एक प्रॉपर्टी का काम शुरू किया, लेकिन उसमें गलत लोगों के चक्कर में फंस गए और उनकी लगभग पूरी जमा पूंजी उसमें लग गई।

प्रॉपर्टी व्यवसाय से निकलने के लिए उन्होंने इधर-उधर से उधार लिया ब्याज पर कर्ज लिया, जो 13 लाख तक पहुंच गया। लेनदारों का दबाव आने लगा। कुछ बड़े फाइनेंसर की तरफ से धमकियां तक मिलने लगी।

बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्गों की देखभाल, यहां तक कि रोजमर्रा के खर्च भी उठाना भारी पड़ने लगा। परिवार पूरी तरह टूट चुका था। इसी दौरान वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन द्वारा किए जा रहे सहयोग की जानकारी होते ही सीए का परिवार वाया के पदाधिकारियों तक पहुंचा।वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन की कमेटी ने पूरी स्थिति समझने के बाद यह महसूस किया कि अगर समय रहते मदद नहीं की गई तो कुछ अनहोनी तक हो सकती है।कमेटी ने परिवार को इस कर्ज के बोझ से बाहर निकालने का निर्णय लेते हुए सभी लेनदारों को बुलाकर उनका लगभग 12.40 लाख रुपए का पूरा बकाया कर्ज चुका दिया।

वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन वाया के संस्थापक सदस्य मंत्री नन्दी एवं महेश गुप्ता निदेशक केंट आरओ सिस्टम, मनोहर लाल अग्रवाल हल्दीराम ग्रुप, नन्द किशोर अग्रवाल क्रिस्टल ग्रुप, राजेश गुप्ता मल्टी कलर स्टील्स ग्रुप, श्रीमती प्रियंका गुप्ता महिला निदेशक, दीपक सिंघल चीफ कॉर्डिनेटर ने कहा कि वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन का उद्देश्य स्पष्ट है कि जब कोई अपना मुश्किल में हो, तो उसे अकेला न छोड़ा जाए।

श्री साई मंदिर में नियमित आरती, भंडारा व सेवा कार्यों से श्रद्धालुओं में आस्था का संचार

श्री साईं मंदिर प्रयागराज सेवा और श्रद्धा का केंद्र

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। चंद्रशेखर आजाद घाट मार्ग पर मदर प्राइड स्कूल के समीप स्थित श्री साई मंदिर में धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों का क्रम निरंतर जारी है। मंदिर में प्रतिदिन प्रातः एवं सायं नियमित रूप से आरती एवं पूजन संपन्न होता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं।

मंदिर के आचार्य श्री उमेश मिश्र के अनुसार, प्रत्येक माह के चौथे रविवार को दोपहर 12 बजे से नारायण सेवा एवं भंडारे का आयोजन किया जाता है, जिसमें जरूरतमंदों एवं श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप भोजन वितरित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, हर मंगलवार को सुंदरकांड पाठ तथा प्रत्येक गुरुवार को सायंकाल भजन, आरती एवं प्रसाद वितरण का विशेष कार्यक्रम आयोजित होता है, जिससे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहता है।

मंदिर से जुड़े सेवा कार्य केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बड़े धार्मिक आयोजनों में भी सक्रिय सहभागिता रहती है। हर वर्ष मां त्रिवेणी की पावन धरा पर आयोजित माघ मेला, कुंभ एवं अर्धकुंभ मेले के दौरान श्री साई काउंसिल भारत द्वारा शिविर लगाकर पूरे महीने श्रद्धालुओं की सेवा की जाती है। इस दौरान प्रतिदिन सुबह चाय तथा दोपहर 12 बजे से भोजन का वितरण किया जाता है, जिससे दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं को सुविधा मिलती है।

मंदिर के इन सतत धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों से क्षेत्र में आस्था, सेवा एवं सहयोग की भावना को मजबूती मिल रही है। श्रद्धालुओं का कहना है कि श्री साई मंदिर न केवल पूजा-अर्चना का केंद्र है, बल्कि समाज सेवा का भी एक प्रेरणास्रोत बन चुका है।

सम्पादकीय

पश्चिम एशिया संकट : तेल और गैस ठिकानों पर हमलों से दुनिया में ऊर्जा संकट का खतरा

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह चिंता गहरा रही है कि अगर इसका स्वरूप और बिगड़ता गया, तो आने वाले दिनों में संकट का दायरा ज्यादा व्यापक और गंभीर हो सकता है। सच यह है कि इजराइल और अमेरिका के ईरान पर साझा हमले के बाद अब युद्ध ने जो रुख अख्तियार कर लिया है, उसमें शांति की उम्मीद फिलहाल धुंधली लग रही है।

हमले के क्रम में जिस तरह स्कूली बच्चों और आम लोगों तक की फिक्र नहीं की गई, उसे लेकर पहले ही अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन के कई सवाल उठे हैं। अब हालात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हमलों का निशाना अब दोनों पक्षों के तेल और गैस के वे ठिकाने बन रहे हैं, जिसका वैश्विक स्तर पर गंभीर असर पड़ेगा।

खासतौर पर युद्ध के आगे बढ़ने के साथ-साथ खाड़ी के कई देशों में हालात बेहद जटिल होते जा रहे हैं। गौरतलब है कि इजराइल ने बुधवार को ईरान में स्थित दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस सुविधा केंद्र पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने गुरुवार को कतर के रास लाफान के ठिकाने को निशाना बनाया, जो वहां मुख्य तरल प्राकृतिक गैस को तैयार करने वाला मुख्य केंद्र है।

ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध की वजह से कच्चे तेल की आपूर्ति पहले ही कई स्तरों पर बाधित है और इसका स्वाभाविक असर इसकी कीमतों पर पड़ रहा है। पिछले कुछ दिनों के भीतर कच्चे तेल के दाम में तेज बढ़ोतरी और वैश्विक स्तर पर कमजोरी के रुख से शेयर बाजार में गुरुवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

एक ओर, बीएसई सूचकांक में करीब 2500 अंक की बड़ी गिरावट हुई, वहीं एनएसई निफ्टी 775 अंक लुढ़क गया। जून, 2024 के बाद इसे सूचकांक में एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट बताया गया है। इस तरह की स्थिति को कई बार अन्य कारकों से भी जोड़ा जाता है, लेकिन इस बार वैश्विक स्तर पर तस्वीर लगभग साफ है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अब ऊर्जा के बुनियादी ढांचों या तेल एवं गैस संयंत्रों पर हमलों में तेजी के बाद कच्चे तेल के दाम में काफी उछाल आया है।

इसका एक स्वाभाविक असर निवेशकों की धारणा पर पड़ा है, जिनके भीतर मौजूदा उथल-पुथल को लेकर एक तरह का असुरक्षाबोध पैदा हुआ है। दरअसल, जब से ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को रोका है, उसके बाद दुनिया भर में तेल और गैस की आपूर्ति भी बाधित हुई है। भारत जैसे कई देश इससे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं और तेल तथा गैस के लिए वैकल्पिक स्रोतों की ओर देख रहे हैं। इस क्रम में भारत ने रूस से तेल खरीद बढ़ाई है।

मगर अब पश्चिम एशिया के युद्ध में शामिल दोनों पक्षों की ओर से जिस तरह प्राकृतिक गैस का उत्पादन करने वाले केंद्रों और ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया जा रहा है, उससे संकट और ज्यादा गहराने की आशंका खड़ी हो रही है। जैसे-जैसे हमलों का स्वरूप जटिल होता जा रहा है, तेल और गैस की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो रही है। खासतौर पर कतर के रास लाफान पर हमले के बाद भारत को होने वाली प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका है।

जाहिर है, भारत को अब प्राकृतिक गैस की जरूरत के लिए आस्ट्रेलिया और रूस जैसे अन्य देशों की ओर देखना पड़ सकता है। मगर सबसे ज्यादा जरूरी यह है कि अब प्राकृतिक गैस के रणनीतिक भंडारण के विकल्प को ठोस आकार देना होगा।

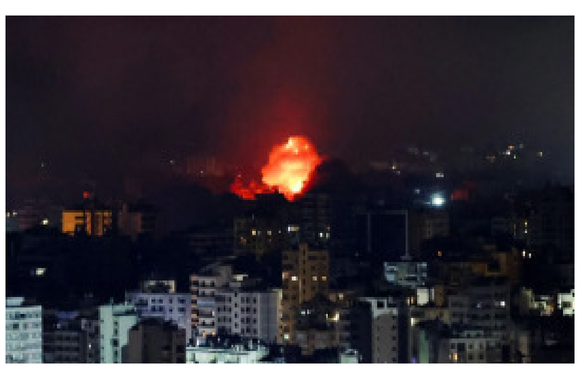

मोबाइल की चमक में धुंधलाते रिश्ते, डिजिटल दौर में संवाद, संवेदना और अपनापन खोता इंसानी जीवन

समय का पहिया हमेशा आगे बढ़ता है और उसके साथ जीवन की रफ्तार भी बदलती रहती है। हर युग अपनी नई सुविधाओं और चुनौतियों के साथ आता है। आज तकनीक का समय है, जहां मोबाइल फोन केवल संवाद का माध्यम नहीं रहा, बल्कि जीवन की धुरी बन गया है। इस छोटे-से उपकरण ने दुनिया को हमारी हथेली पर ला दिया है। जानकारी, मनोरंजन, संवाद और काम- सब कुछ एक ही स्क्रीन पर सिमट गया है। मगर इसी चमकती स्क्रीन की रोशनी में एक सच्चाई धीरे-धीरे उभर रही है- हमारे रिश्ते धुंधले पड़ते जा रहे हैं।

एक समय था जब घरों में शाम का समय जीवंत होता था। दिनभर की व्यस्तता के बाद परिवार के सदस्य एक जगह बैठते, अपने अनुभव साझा करते और छोटी-छोटी बातों में भी अपनापन झलकता था। आंगन में बैठकर चाय की चुस्कियों के साथ बातें करना, बुजुर्गों की सलाह सुनना और बच्चों की शरारतों पर मुस्कुराना- ये सब जीवन की सहज लय का हिस्सा था। मगर अब वही दृश्य धीरे-धीरे बदल रहा है। परिवार के सदस्य एक ही कमरे में मौजूद तो होते हैं, पर उनके बीच संवाद की जगह मोबाइल की स्क्रीन ने ले ली है।

मोबाइल ने संवाद को आसान जरूर बनाया है, लेकिन उसने संवाद की प्रकृति को भी बदल दिया है। पहले जहां आमने-सामने बैठकर बात करने में भावनाएं स्पष्ट दिखाई देती थीं, वहीं अब शब्द स्क्रीन पर भेजे जाते हैं। भावनाओं की जगह 'इमोजी' ने ले ली है और बातचीत में संवेदना का एहसास कहीं कम होता है। डिजिटल संदेशों की गति भले तेज हो गई हो, मगर उनमें वह आत्मीयता नहीं होती, जो आमने-सामने की बातचीत में होती है। इस बदलाव का सबसे बड़ा असर रिश्तों की गहराई पर पड़ रहा है। रिश्ते केवल शब्दों से नहीं, बल्कि समय, संवेदना और साथ बिताए गए क्षणों से मजबूत होते हैं। जब हम अपने प्रियजनों के साथ बैठकर उनके सुख-दुख सुनते हैं, तभी संबंधों की डोर मजबूत होती है। लेकिन जब वही समय मोबाइल की स्क्रीन को दे दिया जाता है, तो रिश्तों की गर्माहट धीरे-धीरे कम होने लगती है। यह बदलाव धीरे-धीरे जीवन का हिस्सा बन जाता है।

आज के समय में मोबाइल संवाद के माध्यम के साथ मनोरंजन का सबसे बड़ा साधन भी बन गया है। सोशल मीडिया की दुनिया में लोग घंटों व्यस्त रहते हैं। वहां लाइक, टिप्पणियां, प्रतिक्रियाएं और 'फालोअरों' की संख्या एक अलग ही संतोष देती है। मगर यह संतोष अक्सर क्षणिक होता है। आभासी दुनिया की यह चमक वास्तविक जीवन के रिश्तों की सादगी और गहराई की बराबरी नहीं कर सकती।

यह स्थिति केवल परिवार तक सीमित नहीं है। मित्रता के रिश्तों में भी इसका असर दिखाई देता है। पहले मित्रों के साथ मिलने-जुलने का अलग ही आनंद होता था। साथ बैठकर बातचीत करना, हंसी-मजाक करना और जीवन के अनुभव साझा करना- ये सब मित्रता को गहराई देते थे। अब मित्रता का बड़ा हिस्सा मोबाइल स्क्रीन तक सीमित हो गया है। संदेशों और पोस्ट के जरिए संपर्क बना रहता है, मगर उस आत्मीयता की कमी महसूस होती है, जो आमने-सामने मिलने में होती थी।

मोबाइल के अत्यधिक उपयोग का असर बच्चों और युवाओं पर भी दिखाई दे रहा है। नई पीढ़ी तकनीक के साथ जन्म से ही जुड़ी हुई है। उनके लिए मोबाइल केवल एक साधन नहीं, बल्कि जीवन का स्वाभाविक हिस्सा बन चुका है। मगर इसी कारण उनके सामाजिक व्यवहार में भी बदलाव दिखाई देता है। कई बार बच्चे और युवा अपने परिवार और आसपास के लोगों के साथ कम समय बिताते हैं और डिजिटल दुनिया में अधिक सक्रिय रहते हैं। इससे उनके भीतर संवाद की सहजता और संवेदनशीलता प्रभावित हो सकती है।

समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के तरीके में है। तकनीक मानव जीवन को आसान बनाने के लिए बनी है, लेकिन जब वही तकनीक जीवन पर हावी होने लगे, तो संतुलन बिगड़ने लगता है। मोबाइल हमें दुनिया से जोड़ सकता है, जानकारी दे सकता है और कई काम आसान बना सकता है। मगर वह रिश्तों की जगह नहीं ले सकता। रिश्तों की असली ताकत उस समय में होती है जो हम एक-दूसरे के साथ बिताते हैं। जब हम अपने परिवार, मित्रों और प्रियजनों के साथ खुलकर बातचीत करते हैं, उनके अनुभव सुनते हैं और अपनी भावनाएं साझा करते हैं, तभी संबंधों की गहराई बढ़ती है। यह वह अनुभव है, जिसे कोई भी डिजिटल माध्यम नहीं दे सकता।

आज जरूरत इस बात की है कि हम तकनीक के साथ संतुलन बनाना सीखें। मोबाइल का उपयोग आवश्यक कामों और सीमित मनोरंजन के लिए किया जा सकता है, लेकिन उसे जीवन का केंद्र नहीं बनाना चाहिए। यदि हम दिन के कुछ समय को मोबाइल से दूर रखकर अपने परिवार और मित्रों के साथ बिताएं, तो शायद रिश्तों की वह गर्माहट फिर से लौट सकती है, जो धीरे-धीरे धुंधली होती जा रही है।

आधुनिक जीवन की व्यस्तताओं के बीच मोबाइल कई बार जरूरी साधन बन जाता है। कामकाज, जानकारी और संपर्क के लिए यह उपयोगी है, लेकिन जब हम थोड़ी देर के लिए इस चमकती स्क्रीन से नजर उठाकर अपने आसपास के लोगों की आंखों में देखते हैं, तो हमें एहसास होता है कि असली जीवन वहीं है- उन रिश्तों में, मुस्कानों में और संवादों में, जो किसी भी डिजिटल संदेश से कहीं अधिक सच्चे और गहरे होते हैं।

शायद समय की यही मांग है कि हम तकनीक को अपना सहयोगी बनाएं, स्वामी नहीं। मोबाइल की रोशनी जीवन को आसान जरूर बना सकती है, लेकिन रिश्तों की असली रोशनी हमारे दिलों और संवादों में ही बसती है। अगर हम इस सच्चाई को समझ लें, तो संभव है कि मोबाइल की चमक के बीच भी हमारे रिश्तों की गर्माहट कभी धुंधली न पड़े।

ईरान की सीमाओं पर दिख रही दर्दनाक कहानियाँ, भाग जाना चाहते हैं लोग मगर पड़ोसी देशों ने दरवाजे कर रखे हैं बंद

पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व इस समय सिर्फ युद्ध का मैदान नहीं, बल्कि इंसानी त्रासदी का सबसे खौफनाक मंच बन चुका है। ईरान पर हो रहे हमलों ने सिर्फ इमारतों को नहीं गिराया, बल्कि वहां के लोगों की जिंदगी की बुनियाद ही हिला दी है। शहरों में धुएं के गुबार हैं, सायरनों की आवाजें हैं और हर तरफ एक ही सवाल गूंज रहा है कि अब जाएं तो जाएं कहां?

तेहरान से लेकर सीमावर्ती इलाकों तक, लोग अपने घर, अपनी जमीन, अपना सब कुछ छोड़कर निकल पड़े हैं। लेकिन यह कोई सामान्य पलायन नहीं है। यह मजबूरी का वह काफिला है जो हर कदम पर अनिश्चितता से टकरा रहा है। लाखों लोग अपने ही देश में विस्थापित हो चुके हैं और जो सीमा की तरफ बढ़ रहे हैं, उनके सामने नई मुश्किलें खड़ी हैं।

ईरान की सीमाएं आज खुली कम और उलझी ज्यादा नजर आ रही हैं। तुर्की की सीमा पर हजारों लोग पहुंच रहे हैं, लेकिन वहां उनका स्वागत नहीं, बल्कि रोक इंतजार कर रही है। सख्त जांच, सीमित प्रवेश और अस्थायी शिविरों की योजना यह साफ संकेत देती है कि पड़ोसी देश इस बार दरवाजे पूरी तरह खोलने के मूड़ में नहीं हैं। सीरिया संकट से मिली सीख ने उन्हें सतर्क बना दिया है।

अजरबैजान ने कुछ सीमित राहत जरूर दी है, लेकिन यह राहत चुनिंदा लोगों तक ही सीमित है। आम ईरानी नागरिक के लिए सीमा पार करना अब किसी जुए से कम नहीं। लोग कई दिनों तक सीमा के पास फंसे रहते हैं, बिना भोजन, बिना सुरक्षा और बिना किसी भरोसे के। सबसे दर्दनाक तस्वीर उन परिवारों की है जो बंट चुके हैं। कोई सदस्य सीमा पार कर गया, तो कोई पीछे छूट गया। बच्चों की पढ़ाई ठप है, अस्पतालों में संसाधनों की कमी है और बाजारों में जरूरी सामान तक मिलना मुश्किल हो गया है। लोग शहरों से निकलकर गांवों और पहाड़ों में शरण ले रहे हैं, जहां कम से कम बमों का खतरा थोड़ा कम है।

हम आपको बता दें कि ईरान के भीतर हालात हर गुजरते दिन के साथ और बदतर होते जा रहे हैं। शहरों में बिजली और पानी की आपूर्ति बार बार ठप हो रही है, अस्पतालों में दवाइयों की कमी गहराती जा रही है और सामान्य इलाज तक मिलना मुश्किल हो गया है। बाजारों में जरूरी सामान या तो गायब है या आसमान छूती कीमतों पर बिक रहा है। लोग घंटों कतारों में खड़े होकर सिर्फ रोटी और ईंधन जुटाने की जद्दोजहद कर रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठहर चुकी है और मानसिक दबाव इतना बढ़ गया है कि हर घर के भीतर डर ने स्थायी जगह बना ली है। यह सिर्फ युद्ध का असर नहीं, बल्कि धीरे धीरे टूटती एक पूरी जिंदगी की तस्वीर है।

लेकिन असली झटका तब लगता है जब पड़ोसी देशों के रुख पर नजर जाती है। सहानुभूति जरूर है, बयान भी हैं, लेकिन जमीन पर दरवाजे बंद हैं। हर देश अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है। उन्हें डर है कि अगर यह लहर खुली, तो यह इतिहास का सबसे बड़ा शरणार्थी संकट बन सकती है।

यूरोप पहले से ही संभावित दबाव को लेकर चिंतित है। खाड़ी के देश पूरी तरह अलर्ट मोड में हैं। वहां हालात और भी तनावपूर्ण हैं। बहरीन में सायरन बज रहे हैं, लोगों को घरों में रहने की चेतावनी दी जा रही है। कतर और यूएई जैसे देशों में सुरक्षा इंतजाम कई गुना बढ़ा दिए गए हैं।

हम आपको बता दें कि खाड़ी क्षेत्र में एक देश से दूसरे देश की यात्रा अब आसान नहीं रही। हवाई रास्तों पर खतरा मंडरा रहा है, समुद्री रास्ते तनाव से भरे हैं और हर सीमा पर सख्ती बढ़ा दी गई है। यह सिर्फ ईरान का संकट नहीं रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता को हिला देने वाला दौर बन चुका है। विशेषज्ञों की चेतावनी और भी डरावनी है। उनका कहना है कि अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है, तो विस्थापन का आंकड़ा विस्फोटक रूप ले सकता है। अभी जो स्थिति दिख रही है, वह सिर्फ शुरुआत हो सकती है।

देखा जाये तो ईरान एक ऐसा देश रहा है जिसने वर्षों तक दूसरे देशों के शरणार्थियों को जगह दी, लेकिन आज वही देश अपने नागरिकों को बचाने में जूझ रहा है। यह विडंबना ही है कि जो कभी शरण देता था, आज खुद शरण की तलाश में है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा पीड़ित वही आम इंसान है, जिसके पास न ताकत है, न विकल्प। सीमाएं नक्शे पर खींची जाती हैं, लेकिन उनका बोझ इंसान की जिंदगी पर पड़ता है। आज ईरान की सीमाएं सिर्फ भौगोलिक रेखाएं नहीं रह गई हैं। वे डर, राजनीति और असुरक्षा की दीवार बन चुकी हैं। लोग भाग रहे हैं, लेकिन रास्ते बंद हैं। देश खड़े हैं, लेकिन दिल बंद हैं। और सबसे बड़ा सवाल अब भी वहीं है कि क्या दुनिया सिर्फ देखती रहेगी, या कोई दरवाजा सच में खुलेगा?

शहरों में 'कार' नहीं, 'सांस' प्राथमिकता बनेगी लो एमिशन जोन से बदल सकती है जिंदगी

आज जब हम घर से बाहर निकलते हैं, तो सबसे पहले हमारा सामना वायु प्रदूषण से होता है। सड़कों पर रेंगते अनगिनत वाहन न केवल हमारी यात्रा की गति को धीमा कर रहे हैं, बल्कि हमारे फेफड़ों पर भी गंभीर प्रहार कर रहे हैं। इस विकट समस्या के बीच, परिवहन और विकास नीति संस्थान (आइटीडीपी इंडिया) का हालिया अध्ययन इस तथ्य की पुष्टि करता है कि यदि सरकारें दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ नीतिगत उपाय करें, तो आम नागरिक न केवल प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को त्यागने के लिए तैयार हैं, बल्कि वे परिवहन के स्वच्छ और आधुनिक साधनों की ओर भी आकर्षित हो सकते हैं। इस अध्ययन का सबसे व्यावहारिक सुझाव 'लो एमिशन जोन' यानी 'कम उत्सर्जन क्षेत्र' की शुरुआत करना है, जो शहरी जीवन की गुणवत्ता को पूरी तरह बदलने की क्षमता रखता है।

'कम उत्सर्जन क्षेत्र' का विचार सुनने में सरल है, साथ ही क्रियान्वयन में दूरगामी और व्यापक प्रभाव रखने वाला है। यह एक ऐसा क्षेत्र होता है जहां वाहनों के प्रवेश को उनके उत्सर्जन स्तर के आधार पर विनियमित किया जाता है। सरल शब्दों में कहें, तो शहर के कुछ विशिष्ट और संवेदनशील हिस्सों, जैसे व्यस्त बाजार, ऐतिहासिक धरोहर स्थल या घनी आबादी वाले रिहाइशी इलाकों को ऐसे क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया जाता है, जहां केवल वही वाहन प्रवेश कर सकते हैं, जो प्रदूषण के कड़े मानकों पर खरे उतरते हैं। जो वाहन इन मानकों को पूरा नहीं करते, उन पर या तो भारी जुर्माना लगाया जाता है या उनका प्रवेश वर्जित कर दिया जाता है। यह पूरी अवधारणा 'प्रदूषण फैलाने वाला भुगतान करे' के वैश्विक सिद्धांत पर आधारित है।

जब लोगों को यह महसूस होने लगता है कि निजी वाहन का उपयोग महंगा और असुविधाजनक हो रहा है और उसके एक बेहतर विकल्प के रूप में स्वच्छ, सस्ती और सुगम व्यवस्था उपलब्ध है, तो वे स्वतः ही अपने व्यवहार और जीवनशैली बदलने की दिशा में कदम बढ़ाने लगते हैं। किसी भी सफल शहरी परिवहन नीति के दो मुख्य स्तंभ होते हैं, जिन्हें प्रतिबंध और प्रोत्साहन के रूप में समझा जा सकता है। केवल प्रतिबंध लगा देना या दंडित करना किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं, बल्कि कई बार यह जनता के बीच असंतोष को भी जन्म देता है।

दूसरी ओर, जब एक नागरिक को भरोसा हो जाता है कि वह अपनी कार के बजाय मेट्रो या इलेक्ट्रिक बस से सुरक्षित रूप से और कम खर्च में जल्दी अपने गंतव्य तक पहुंच सकता है, तो वह बिना किसी दबाव के स्वेच्छा से इस बड़े बदलाव का हिस्सा बन जाता है। 'कम उत्सर्जन क्षेत्र' के प्रभाव केवल पर्यावरण की स्वच्छता तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि यह शहरी अर्थव्यवस्था और हमारे सामाजिक ताने-बाने को भी एक नया और सकारात्मक आयाम देते हैं। दुनिया के कई बड़े और प्रतिष्ठित शहरों, जैसे लंदन, पेरिस और बर्लिन के पिछले कुछ वर्षों के अनुभवों से यह स्पष्ट हुआ है कि जहां भी ऐसे प्रतिबंधित क्षेत्र बनाए गए, वहां की वायु गुणवत्ता में 20 से 30 फीसद तक का सुधार दर्ज किया गया। इसके साथ ही एक पहलू यह भी सामने आया कि जहां वाहनों की भीड़ कम हुई, वहां पैदल चलने वालों और साइकिल चलाने वाले लोगों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई। इससे उन क्षेत्रों के स्थानीय बाजारों में व्यापार और आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोतरी देखी गई।

हालांकि, भारत जैसे विशाल और घनी आबादी वाले देश में इस तरह की व्यवस्था को लागू करना एक बड़ी चुनौती है। हमारे समाज में आज भी निजी वाहन को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ कर देखा जाता है, जबकि सार्वजनिक परिवहन को निम्न स्तर का साधन माना जाता रहा है। अब इसी सदियों पुरानी मानसिकता को जड़ से बदलने की पुरजोर वकालत की जा रही है। इसके अनुसार, हमें अब 'वाहनों के लिए सड़क' बनाने के पुराने विचार को छोड़ कर 'लोगों के लिए सड़क' बनाने के आधुनिक सिद्धांत पर दृढ़ता से काम करना होगा।

इसके लिए सबसे पहली और अनिवार्य जरूरत एकीकृत परिवहन प्रणाली की है। यदि कोई व्यक्ति किसी 'कम उत्सर्जन क्षेत्र में' प्रवेश करता है और अपनी कार बाहर छोड़ता है, तो उसके पास अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए अंतिम छोर तक की निर्बाध सुविधा होनी चाहिए। इसका अर्थ यह है कि मेट्रो स्टेशन या बस स्टैंड से उसके कार्यालय या घर तक पहुंचने के लिए साझा साइकिल, इलेक्ट्रिक रिक्शा या छोटी फीडर बसों की निरंतर उपलब्धता होनी चाहिए। इसके अभाव में कोई भी प्रतिबंध जनता के लिए बोझ और परेशानी का सबब बन कर रह जाएगा।

एक अहम बिंदु है–हमारे देश की बढ़ती स्वास्थ्य लागत। भारत के प्रमुख शहरों में वायु प्रदूषण के कारण होने वाली घातक बीमारियों पर सालाना खर्च देश की जीडीपी का एक बहुत बड़ा हिस्सा निगल जाता है। सांस की बीमारियां, अस्थमा और हृदय रोग के मामले भयावह रूप से बढ़ रहे हैं। इनमें सबसे अधिक शिकार मासूम बच्चे और असहाय बुजुर्ग हो रहे हैं। 'कम उत्सर्जन क्षेत्र' जैसे उपाय स्वास्थ्य पर होने वाले इस भारी-भरकम खर्च को कम करने में भूमिका निभा सकते हैं।

'कम उत्सर्जन क्षेत्र' में इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता देने से न केवल स्थानीय स्तर पर प्रदूषण कम होगा, बल्कि यह देश में स्वच्छ ऊर्जा के बुनियादी ढांचे को भी मजबूत करेगा। जब लोग देखेंगे कि केवल इलेक्ट्रिक वाहनों को ही मुफ्त या रियायती प्रवेश मिल रहा है, तो उनकी रुचि स्वाभाविक रूप से पेट्रोल और डीजल वाहनों से हट कर नई तकनीक की ओर बढ़ेगी। यह बदलाव न केवल पर्यावरण के लिए अनुकूल होगा, बल्कि तेल आयात पर देश की निर्भरता को भी कम करेगा।

मगर इसके लिए शहरों में सेंसर आधारित नेटवर्क और डिजिटल निगरानी को मजबूत करना होगा, ताकि हर नागरिक अपने मोबाइल फोन पर यह देख सके कि जिस सड़क पर वह चल रहा है, वहां की हवा अब कितनी सुरक्षित हो गई है। यह पारदर्शिता सरकार और जनता के बीच विश्वास का एक नया सेतु बनाएगी। अभी तक हमारे शहरों का विस्तार इस तरह से होता आया है कि वे कारों के लिए अधिक सुविधाजनक हों, जिससे पैदल चलने वालों के लिए जगह लगातार सिमटती गई है। जबकि घर-कार्यालय, स्कूल और बाजार एक-दूसरे के इतने करीब होने चाहिए कि किसी को भी बेवजह वाहन निकालने की जरूरत ही न पड़े।

'कम उत्सर्जन क्षेत्र' शहरों में परिवर्तन की शुरुआत का एक छोटा, लेकिन बेहद शक्तिशाली उपाय साबित हो सकता है। जब कोई छोटा-सा इलाका प्रदूषण मुक्त और पैदल चलने योग्य बन जाता है, तो वह पूरे शहर के लिए आदर्श बन जाता है। यदि हमने अब भी परिवहन के अपने पुराने ढर्रे को नहीं बदला, तो महानगर आने वाले समय में कंक्रीट के जंगल और जहरीली गैस का चेंबर बन कर रह जाएंगे, जहां जीवन जीना दूभर हो जाएगा। हमारे पास आधुनिक तकनीक, अनुभव और वैज्ञानिक शोध उपलब्ध हैं। हमें बस सामूहिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है, ताकि हम नई नीतियों को धरातल पर उतार सकें। यह बदलाव रातों-रात नहीं आएगा, इसके लिए हमें निरंतर प्रयासों की जरूरत होगी।

आज नेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल डे है। इसका उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि प्रदूषण सिर्फ हवा को गंदा नहीं करता, बल्कि हमारी जिंदगी, सेहत और आने वाली पीढ़ियों पर गहरा असर छोड़ता है। आज प्रदूषण एक वैश्विक संकट बन चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली और एनसीआर वायु प्रदूषण संकट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए सुनवाई की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हम चाहते हैं कि दीर्घकालिक योजनाएं भी सार्वजनिक हों, उन योजनाओं पर चर्चा और अंतिम रूप दिया जाना आवश्यक है।

मनबढ़ पड़ोसी ने मारपीट कर किया घायल

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के केदारपुर गांव मे घर मे घुस कर मनबढ़ पड़ोसी द्वारा गाली गलौज, मारपीट करने का मामला सामने आया है, पीड़ित रंजित कुमार ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर सुरक्षा की गुहार लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।गांव निवासी रंजित कुमार ने दबंग पड़ोसी होरीलाल और उनके परिवार पर पुस्तैनी रास्ता रोकने व रविवार को सुबह घर मे घुसकर पत्नी मनोजा देवी व बच्चों को मारने पीटने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया।

साइकिल रैली से दिया स्वास्थ्य व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। भदोही साइकिलिंग क्लब के तत्वावधान में रविवार को पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता के लिए विशाल साइकिल यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ बड़े चौराहे से चिकित्सक डॉ. एस.एस. यादव ने हरी झंडी दिखाकर किया।

यह रैली नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए मेवड़ापुर पहुंची, जहां निदेशक शम्सुज्जमा अंसारी व डॉ. जुबैर अंसारी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस दौरान वक्ताओं ने स्वस्थ जीवन के लिए नियमित व्यायाम और साइकिल के उपयोग को जरूरी बताया तथा लोगों से योग व खेलकूद अपनाने की अपील की। रैली का समापन मेवड़ापुर चौक पर हुआ। बड़ी संख्या में युवाओं व नागरिकों ने इसमें भाग लेकर स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इस अवसर पर बेचन सिंह, जय प्रकाश दुबे, मोहम्मद राफे, राम श्रृंगार चौधरी, बनारसी बिंद, प्रमोद मौर्या, राजीव जायसवाल, जिगर गुप्ता, रितिक कनौजिया, महेंद्र यादव, कमलेश कश्यप, सरफराज अहमद सहित कई लोग उपस्थित रहे।

'संकल्प से सिद्धि' कार्यक्रम का पांचवां दिन, योजनाओं का हुआ लाभ वितरण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। 'संकल्प से सिद्धिः सुरक्षा-सुशासन-समृद्धि' थीम के तहत आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के पांचवें दिन विकास भवन स्थित डीपीआरसी सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता जिला परियोजना अधिकारी आदित्य, डीसी मनरेगा राजाराम एवं अपर उप जिलाधिकारी शिवप्रकाश यादव ने संयुक्त रूप से की। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए गए, वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के पात्र लाभार्थियों को आवास की चाभियां सौंपकर सम्मानित किया गया। लाभार्थियों ने सरकार के प्रति आभार जताते हुए कहा कि अब उन्हें सुरक्षित आवास का सपना पूरा होने का अवसर मिला है।

पशुपालन विभाग द्वारा राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत 'मैत्री प्रशिक्षण' के लिए चयनित युवाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जिससे उन्हें पशुपालन आधारित रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। अधिकारियों ने बताया कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

अधिकारियों ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, रोजगार सृजन एवं ग्रामीण विकास पर प्रकाश डालते हुए लाभार्थियों से योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने और अन्य लोगों को भी जागरूक करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कलाकारों ने गीतों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर वातावरण को आकर्षक बनाया।

औराई पुलिस ने भूली-भटकी युवती को परिजनों से मिलाया

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मिशन शक्ति (फेज-5) के तहत औराई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक भूली-भटकी युवती को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। यह कार्य पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ।

जानकारी के अनुसार प्रयागराज जनपद के थाना सरायइनायत क्षेत्र की 21 वर्षीय युवती परिजनों की डांट से नाराज होकर घर से निकल गई थी और रास्ता भटककर औराई-उगापुर मार्ग पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर थाना औराई पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और युवती को सुरक्षित अपने संरक्षण में लेकर मिशन शक्ति केंद्र लाई।

पूछताछ में युवती की पहचान होने के बाद उसके परिजनों से संपर्क कर उन्हें बुलाया गया। आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद युवती को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से परिजन बेहद संतुष्ट नजर आए और उन्होंने औराई पुलिस की सराहना की। इस सराहनीय कार्य से आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

इस कार्य में मिशन शक्ति केंद्र, थाना औराई की टीम–उपनिरीक्षक राजेंद्र पांडेय एवं महिला कांस्टेबल मनीषा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सहजन तोड़ते समय हाईटेंशन की चपेट में आया छात्र, गंभीर रूप से झुलसा

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के माधोपुर गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां पेड़ पर चढ़कर सैजन (सहजन) तोड़ रहा 15 वर्षीय छात्र हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। हादसे में वह गंभीर रूप से झुलस गया, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

माधोपुर गांव निवासी भगवान दास बिन्द के यहां ननिहाल मे रह रहे आयुष (15) पुत्र बबलू, जो कक्षा 8 का छात्र है, गांव के एक स्कूल के पास लगे पेड़ पर सैजन तोड़ने के लिए चढ़ा था। इसी दौरान पेड़ के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया। करंट लगते ही वह बुरी तरह झुलस गया और नीचे गिर पड़ा।

घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसे तुरंत पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने वाराणसी ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया।घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। वहीं ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आबादी के बीच से गुजर रही हाईटेंशन लाइनों की सुरक्षा को लेकर विभाग लापरवाह बना हुआ है, जिससे इस तरह के हादसे लगातार हो रहे हैं। लोगों ने विद्युत विभाग से जर्जर और खतरनाक लाइनों को दुरुस्त कराने की मांग की है।

नवरात्रि पर मिशन शक्ति अभियान की शुरुआत, महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण पर फोकस

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर भदोही पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 (द्वितीय चरण) के तहत महिला सशक्तिकरण जनजागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में संचालित हो रहा है।

अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। पुलिस विभाग द्वारा इसे प्रभावी बनाने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं, ताकि महिलाओं को सुरक्षित और सशक्त वातावरण मिल सके।

इसके तहत प्रत्येक थाने पर महिला बीट अधिकारियों की तैनाती की गई है, जो सीधे महिलाओं से संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगी। स्कूल-कॉलेजों के आसपास एंटी-रोमियो स्क्वॉड को सक्रिय किया गया है, वहीं सुरक्षा के मद्देनजर पैदल गश्त भी बढ़ाई जा रही है। इसके अलावा महिला पुलिसकर्मियों द्वारा बाइक रैली के माध्यम से जागरूकता फैलाई जा रही है तथा 1090, 181, 1076, 1930 और 112 जैसी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जा रही है।

पुलिस विभाग के अनुसार यह अभियान विभिन्न विभागों के समन्वय से संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को हर स्तर पर सशक्त बनाना और समाज में सुरक्षित माहौल स्थापित करना है।

हिंदू नव वर्ष पर दुर्गागंज में आरएसएस के पथ संचलन, दिखा उत्साह

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही।दुर्गागंज बाजार में हिंदू नव वर्ष के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लेकर अनुशासन और उत्साह का परिचय दिया।

स्वयंसेवक निर्धारित वेशभूषा में कतारबद्ध होकर बाजार के प्रमुख मार्गों से गुजरे। इस दौरान देशभक्ति और सांस्कृतिक नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा, जिससे माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। स्थानीय लोगों ने भी जगह-जगह पथ संचलन का स्वागत किया।

आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम हिंदू नव वर्ष के स्वागत के साथ सामाजिक एकता और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर अशोक सिंह, विंध्यवासिनी पांडे, नरेंद्र तिवारी, अंकित सिंह, पंकज पुनवासी, सुनील मिश्रा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं, पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे और आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

दिनदहाड़े साइकिल चोरी सीसीटीवी में कैद हुआ चोर

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। राजमार्ग स्थित मिर्जापुर तिराहे पर दिनदहाड़े साइकिल चोरी की घटना सामने आई है। थाना परिसर के राधेकृष्ण मंदिर के पुजारी महेंद्र पाठक, निवासी लालानगर, एक रेस्टोरेंट पर फलाहार लेने गए थे। इस दौरान उन्होंने अपनी साइकिल बाहर खड़ी कर दी।

बताया जाता है कि जैसे ही पुजारी दुकान के अंदर गए, पहले से मौके की तलाश में खड़ा एक चोर साइकिल लेकर फरार हो गया। बाहर आने पर साइकिल गायब देख पुजारी के होश उड़ गए। काफी खोजबीन के बाद जब रेस्टोरेंट के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया, तो उसमें पीले रंग की पगड़ी पहने एक युवक साइकिल ले जाते हुए दिखाई दिया।

घटना की लिखित सूचना थाने में दे दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में आए दिन बाइक और साइकिल चोरी की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन पुलिस अब तक किसी मामले का खुलासा नहीं कर सकी है। गौरतलब है कि जिस स्थान से चोरी हुई, वहां होमगार्ड और ट्रैफिक पुलिस की नियमित ड्यूटी भी रहती है, इसके बावजूद चोर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं।

ईद पर घोसिया में उमड़ा खुशियों का सैलाब नमाज़ अकीदत व सुरक्षा के बीच संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

घोसिया, भदोही। पवित्र पर्व ईद-उल-फितर के मौके पर घोसिया नगर में ईद की नमाज़ बड़े ही अकीदत, उल्लास और भाईचारे के माहौल में अदा की गई। नगर के विभिन्न स्थानों पर नमाजियों की भारी भीड़ देखने को मिली और चारों ओर खुशियों का माहौल छाया रहा।

घोसिया के वार्ड नंबर 6 स्थित ईदगाह में दो जमातों में नमाज़ अदा की गई। पहली जमात सुबह 7:45 बजे मौलाना तनवीरुद्दीन की इमामत में संपन्न हुई, जबकि दूसरी जमात सुबह 8:45 बजे जीशान अमजदी के नेतृत्व में अदा की गई। इसके अलावा मिश्रानी मस्जिद में सुबह 7:30 बजे और नहरा ईदगाह पर सुबह 7:45 बजे नमाजियों ने नमाज़ अदा की।

नमाज़ के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और देश में अमन-चैन, तरक्की व खुशहाली की दुआ मांगी। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

ईदगाह और आसपास के इलाकों में मेले जैसा माहौल रहा, जहां मिठाई, पकौड़ी, चाट, फुलकी, पापड़ सहित विभिन्न खाद्य सामग्री की दुकानों पर भीड़ उमड़ी रही। वहीं बच्चों के लिए खिलौनों की दुकानों पर भी अच्छी-खासी खरीदारी देखने को मिली।

इस मौके पर चेयरमैन बेबी एबरार, हाफिज सलाउद्दीन साहब, पूर्व चेयरमैन नुमान अहमद, रईस उस्मानी, नसीम अहमद सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ईद के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। सभी नमाज़ स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे, जिसके चलते पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रही।

स्वर्णकार संघ सुरियावां के मनोनीत अध्यक्ष चुने गये मनोज वर्मा

मंत्र भारत संवाददाता

सुरियावां। स्वर्णकार संघ की विशेष प्रादेशिक प्रवास एवं विशेष बैठक में वक्ताओं ने समाज को संगठित होने पर बल दिया। कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सेठ ने स्वर्णकार संघ सुरियावा का चुनाव के बाद अध्यक्ष व महामंत्री पद की घोषणा करते हुए उन्हें माल्यार्पण कर स्वागत किया!

समाज के लोगों ने मत का प्रयोग करके हुवें, मनोज वर्मा अध्यक्ष और महामंत्री संजय वर्मा जी चुना!

सुरियावा स्थित सुरियावा कैफे 'फैमली रेस्टोरेंट में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा संगठन की मजबूती उसके सदस्य होते हैं और संगठित रहने से समाज की अलग मजबूती और पहचान बनी रहती है इसके साथ ही सुख दुख में भी समाज साथ खड़ा दिखाई देता है। और कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित श्री राकेश वर्मा ने कहा कि राजनीति में भी समाज के लोगों को बढ़चढकर भागीदारी करनी चाहिए जिसके लिए समाज के लोगों का संगठित होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार से उनकी तीन मांगे हैं जिसमें लूट, डकैती की बढ़ रही घटनाओं को देखते हुए स्वर्णकारों को शस्त्र लाइसेंस जारी किए जाएं। उत्तर प्रदेश में स्वर्णकार आयोग का गठन किया जाए, इसके साथ ही स्वर्णकार समाज को आरक्षण दिया जाए, कार्यक्रम का संचालन कर रहें श्री अनिल वर्मा ने समाज को एकता व संगठन को मजबूत करने पर अपना विचार रखा! कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहें स्वर्णकार संघ के जिलाध्यक्ष लोकेश सेठ ने कहा कि स्वर्णकार समाज के सोए हुए लोगों को जगाने का काम किया जायेगा समाज को संगठित करने के लिए डोर टू डोर जाकर लोगों को जोड़ा जाएगा। समाज के लोगों की एक पत्रिका बनाई जाएगी ताकि समाज के लोग एक दूसरे से जुड़े रहे। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष लोकेश सेठ, सरक्षक उमाशंकर वर्मा, माताप्रसाद वर्मा, विष्णु सेठ, श्यामसुन्दर वर्मा, उपाध्यक्ष दीपनारायण वर्मा मुन्ना, दिनेश सेठ बब्बू, राजेश वर्मा, मंत्री सतीश वर्मा सोनू, जिला मिडिया प्रभारी मनोज वर्मा, आशीष वर्मा, रामचंदर वर्मा, कपूरचन्द सेठ, और क्षेत्र के समस्त स्वर्णकार बंदु मौजूद रहे।

पुलिस ने महिलाओं को किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेन्दु सिंह तथा थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र थाना खेसरहा के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम उप निरीक्षक चंद्रिका प्रसाद मौर्य, कांस्टेबल अरुण कुमार पाण्डेय, महिला कांस्टेबल अंजली यादव, महिला पीआरडी पुष्पा द्वारा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम हरैया में महिलाओं व बलिकाए आदि लोग उपस्थित हुए जिन्हे महिला सम्बन्धित नये कानून व महिला सम्बन्धित अपराध, साइबर अपराध जागरूकता,नये कानून कार्यक्रम के तहत हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई ।

पुलिस ने नाबालिक के अपहरण व दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत, प्रशांत कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में, मयंक द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के कुशल पर्यवेक्षण मे व राजेश कुमार गुप्ता प्रभारी निरीक्षक चिल्हिया के नेतृत्व में थाना चिल्हिया पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 16/2026 धारा 137(2), 87, 65(1) बीएनएस व 5/6 पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित दीपक पुत्र उमाशंकर निवासी ग्राम दहियाड़ एक नफर वांछित अभियुक्त को गौहनिया बाजार से उप निरीक्षक शारदा प्रसाद, कांस्टेबल चन्द्रजीत यादव, महिला कांस्टेबल कंचन यादव द्वारा गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय भेजा गया।

मंदिर पूजा करने गई युवती पर पेट्रोल डालकर लगाई आग, छत पर चढ़कर आरोपी ने किया ड्रामा, दो गिरफ्तार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के अलीगढ़ में चचेरे-भाई बहन के बीच जमकर मारपीट हुई। इसके बाद भाई ने चचेरी बहन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। लड़की की चीख सुनकर गांववालों ने मिट्टी डालकर आग बुझाई। आग से लड़की का चेहरा और हाथ झुलस गया।

गांववालों ने पुलिस को सूचना देकर लड़की को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो आरोपी भाई अपने घर की छत पर चढ़ गया। अपने ऊपर भी पेट्रोल डाल लिया। पुलिस को धमकी देते हुए कहा- अगर मुझे पकड़ा तो मैं खुद को आग लगा लूंगा।

छत पर रखे सिलेंडर में आग लगाकर आप लोगों पर फेंक दूंगा। अगर मैं जेल गया, तो बाहर आकर चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या कर दूंगा। हालांकि, पुलिस ने करीब 4 घंटे बाद पड़ोसी की छत से जाकर आरोपी भाई को पकड़ लिया। घटना अतरौली थाना क्षेत्र की है।

नवरात्र की पूजा करने के बाद खेत जा रही थी बहन खानपुर गांव के रहने वाले जयवीर सिंह दिवाकर ने बताया- 21 मार्च की शाम मैं गांव में ही डेयरी पर दूध रखने गए थे। वहां मेरा अपने भतीजे नीरू से झगड़ा हो

गया था। इसके बाद रविवार की सुबह भी जब मैं दूध रखने जा रहा था, तब भतीजे ने मुझे रोक लिया और मेरे साथ मारपीट की। तब गांववालों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया।

जयवीर की पत्नी चंद्रवती ने बताया- सुबह करीब 8:30 बजे बेटी रश्मि नवरात्र की पूजा करने के बाद खेतों की तरफ जा रही थी। रास्ते में नीरू ने उसे रोक लिया। उसके साथ मारपीट की। फिर बोतल में भरा पेट्रोल बेटी के ऊपर डाल दिया।

इसके बाद माचिस से आग लगा दी। आग लगते ही बेटी चीखने लगी। उसकी चीख सुनकर गांववाले मौके पर पहुंचे। उन्होंने मिट्टी डालकर आग बुझाई। लेकिन, तब तक रश्मि के हाथ, चेहरा और पेट गंभीर रूप से झुलस चुका था।

पुलिस से बोला- मुझे पकड़ा तो खुद को आग लगा लूंगा इसके बाद गांववालों ने एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। एंबुलेंस से रश्मि को अतरौली सीएचसी ले जाया गया। जहां से उसकी हालत गंभीर देखते हुए अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। घटना के बाद पुलिस पहुंची, तो आरोपी नीरू घर की तीसरी मंजिल पर चढ़ गया।

पुलिस के घर में प्रवेश करने की कोशिश की, लेकिन नीरू ने छत पर रखा गैस सिलेंडर उठा लिया। धमकी दी कि अगर कोई पास आया तो वह सिलेंडर में आग लगाकर नीचे फेंक देगा। इसके बाद उसने खुद पर पेट्रोल डाल लिया और आत्मदाह की धमकी दी।

सीओ राजीव द्विवेदी ने बताया कि युवती की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दोनों पक्षों के बीच प्लॉट में भैंस बांधने को लेकर लंबे समय से झगड़ा चला आ रहा है। पहले भी कई बार झगड़े हो चुके हैं। आरोपी के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज है।

कॉलेज में बेटे की हत्या पर पिता का छलका दर्द, कहा- आरोपी को हो फंसी, मेरा बेटा नहीं

लखनऊ **(एजेंसी)**। यूपी कॉलेज वाराणसी में छात्र सूर्य प्रताप सिंह की हुई हत्या के मामले में अब उनके पिता ऋषि देव सिंह ने सीधे-सीधे अब कॉलेज के प्रिंसिपल पर हत्या में सम्मिलित होने का आरोप लगाते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। आरोपी मनीष चौहान को फांसी की सजा दिलाए जाने की भी बात कही है।

बता दें की एक दिन पूर्व सूर्य प्रताप सिंह जो अपने घर पर पिछले 10 दिनों से चेचक रोग से प्रभावित होने पर था लेकिन सुबह-सुबह कॉलेज के प्रिंसिपल ने फोन कर कॉलेज बुलाया और फिर वहां पर मनीष सिंह चौहान ने कॉलेज परिसर में ही एक दो नहीं बल्कि आठ गोलियां मार कर हत्या कर दी इस मामले पर जब उनसे बात की गई तो उन्होंने बताया कि पूरी हत्या का घटनाक्रम कॉलेज के प्रिंसिपल के सामने हुई है और गोली उनके ही ऑफिस में मारी गई थी क्योंकि वह किसी बात के समझौता के लिए उनके बेटे को बुलाए थे।

उन्होंने बताया कि मनीष से

उनके बेटे की पहले से कोई अदावत या लड़ाई थी या नहीं इसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं थी हालांकि उन्होंने यह बताया कि मनीष चौहान अभी 1 साल पहले ही किसी मामले में जेल से छुटकर आया था बावजूद इसके उसका एडमिशन प्रिंसिपल ने कॉलेज में कर लिया था।

उन्होंने बताया कि 10 दिनों से बेटा चेचक से प्रभावित था लेकिन इन दिनों ना ही उसके किसी दोस्त का और ना ही कॉलेज का कोई फोन आया था क्योंकि चेचक से पीड़ित होने के कारण वह घर से बाहर भी नहीं निकल पा रहा था घर में ही रहा करता था उन्होंने बताया कि बेटे की हत्या की सूचना लगभग 11 या 11:30 के आसपास मिली जब लखनऊ जा रहे थे और फिर रात 8:30 बजे लखनऊ से वापस आए।

उन्होंने बताया कि उनका बेटा हमेशा बिजनेस करने की बात करता था लेकिन मैं उसे बार-बार कहता था कि बिजनेस के लिए बड़ा पैसा चाहिए और उतना पैसा उनके पास नहीं है इसलिए पढ़ाई लिखाई का ही मैं जोर दे रहा था ताकि वह कहीं नौकरी कर अपना जीवन यापन कर सकता था इस दौरान उनका बेटा छात्र राजनीति से जुड़ा हुआ था या नहीं इसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं।

इस दौरान उन्होंने बताया कि उनके बेटे की हत्यारे की गिरफ्तारी हो चुकी है और अब हम चाहते हैं कि उसे फांसी हो जाए क्योंकि अब इस दुनिया में मेरा बेटा नहीं है तो उसे भी अब इस दुनिया में नहीं रहना चाहिए।

नामजियों से भिड़े इंस्पेक्टर, कहा- मिट्टी में मिला दूंगा, विवादित बयान सोशल मीडिया पर वायरल

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में मैनपुरी जिले के कुरावली क्षेत्र में ईद के मौके पर गंगापुर स्थित ईदगाह में नमाज को लेकर विवाद की स्थिति बन गई। करीब एक घंटे तक चले तनाव के बाद प्रशासन के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ और नमाज शांतिपूर्वक संपन्न कराई गई।सुबह बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग ईद की नमाज अदा करने के लिए ईदगाह पहुंचे थे। इसी दौरान कुरावली इंस्पेक्टर ललित भाटी ने ईदगाह परिसर के बाहर नमाज पढ़ने पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि नमाज केवल निर्धारित परिसर के अंदर ही अदा की जाए। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना था कि वर्षों से आसपास के खेतों में भी नमाज अदा की जाती रही है, इसलिए इस पर रोक नहीं लगाई जानी चाहिए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नीरज द्विवेदी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद नमाज शांति के साथ संपन्न हो सकी।

घटना के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों में इंस्पेक्टर की कार्यशैली को लेकर नाराजगी देखी गई। लोगों का कहना है कि धार्मिक अवसर पर इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है। वहीं, स्थानीय राजनीतिक नेताओं ने भी इस मुद्दे को उठाते हुए पुलिस के रवैये पर सवाल खड़े किए हैं और इसे अनुचित बताया है। घटना के दौरान हुई बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे मामला और चर्चा में आ गया है। हालांकि, इस संबंध में उच्च अधिकारियों ने फिलहाल कोई आधिकारिक बयान देने से इनकार कर दिया है। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रण में बताते हुए सभी से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

सपा विधायक की चलती कार में लगी आग कूदकर बचाई जान, टला बड़ा हादसा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में कानपुर जिले के जाजमऊ थाना क्षेत्र स्थित डिफेंस कॉलोनी में उस समय हड़कंप मच गया, जब चलती कार में अचानक आग लग गई। यह कार मोहम्मद हसन रूमी की बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, हादसे के समय विधायक कार में मौजूद नहीं थे। उनके रिश्तेदार ईद के मौके पर कार लेकर निकले थे। तभी रास्ते में अचानक कार से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग भड़क गई।

कार में सवार दोनों लोगों ने स्थिति को भांपते हुए तुरंत कूदकर अपनी जान बचाई। स्थानीय लोगों ने भी मौके पर पहुंचकर सूझबूझ दिखाते हुए फायर ब्रिगेड के आने से पहले ही आग पर काफी हद तक काबू पा लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि कार को काफी नुकसान पहुंचा है।

फिलहाल घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन समय रहते हालात संभाल लिए गए। पुलिस और फायर विभाग ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। आशंका जताई जा रही है कि ये हादास शॉर्ट सर्किट की वजह से हुई है। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

'दम है तो रोक लो' कहकर प्रधान के भाइयों को चाकू से गोदा, खूनी रंजिश का खौफनाक अंत

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मेरठ में ईद की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब सरधना थाना क्षेत्र के मेहरमती गणेशपुर गांव में मामूली लेन-देन को लेकर दो गुट आपस में भिड़ गए। महज एक हजार रुपए के लिए शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ा कि हमलावरों ने ग्राम प्रधान के 2 सगे भाइयों की बेरहमी से हत्या कर दी। इस खूनी संघर्ष में कई अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

घटना शनिवार शाम की है, जब ग्राम प्रधान मोहम्मद सईद के परिवार का सलमान नाम का युवक कब्रिस्तान के पास बैठा था। तभी गांव का ही इरशाद (जो नशे में धुत बताया जा रहा है) वहां पहुंचा और सलमान से अपने ?1000 मांगने लगा। देखते ही देखते बात गाली-गलौज से शुरू होकर हाथापाई तक पहुंच गई।

विवाद बढ़ने पर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। नमाज पढ़कर लौट रहे प्रधान के भाई भूरा (40) और सैमुद्दीन (35) बीच-बचाव करने पहुंचे, लेकिन हमलावरों ने उन पर धारदार हथियारों से धावा बोल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने भूरा के शरीर में चाकू आर-पार कर दिया। आरोपियों ने सरेआम ललकारते हुए कहा कि दम है तो रोक लो! आधे घंटे तक चले इस खूनी खेल में दोनों भाइयों की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

ग्रामीणों का आरोप है कि यह कत्ल अचानक नहीं हुआ। घटना वाले दिन सुबह ही मुख्य आरोपी रहीश को छुरियों पर धार लगाते देखा गया था। प्रधान पक्ष और आरोपियों के बीच पुरानी रंजिश चली आ रही थी, जिसका फायदा उठाकर इस वारदात को अंजाम दिया गया। घटना में तौहीद, आमिर और मंसूर समेत कई लोग घायल हैं, जिनका इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

जम्मू यूनिवर्सिटी में जिन्ना पर संग्राम, एबीवीपी का सवाल- बंटवारे के गुनहगार सिलेबस में क्यों?

श्रीनगर **(एजेंसी)**। जम्मू यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। विवाद की मुख्य वजह पॉलिटिकल साइंस के पोस्टग्रेजुएट सिलेबस में पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना पर आधारित एक चैप्टर को शामिल करना है।

एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने कैंपस में जमा होकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और मांग की कि मॉडर्न इंडियन पॉलिटिकल थॉट मॉड्यूल से इस चैप्टर को तुरंत हटाया जाए। प्रदर्शनकारियों ने जिन्ना के पोस्टर फाड़ते हुए चेतावनी दी कि अगर सिलेबस में बदलाव नहीं हुआ, तो वे पूरे जम्मू-कश्मीर में अपना आंदोलन और तेज करेंगे।

एबीवीपी के प्रदेश सचिव सन्नक श्रीवत्स का कहना है कि सर सैयद अहमद खान और मोहम्मद अली जिन्ना जैसे लोगों ने 'टू-नेशन थ्योरी' को बढ़ावा दिया था और देश के बंटवारे में मुख्य भूमिका निभाई थी।

परिषद का तर्क है कि अल्पसंख्यक प्रतिनिधियों के तौर पर ऐसे लोगों को पढ़ाना राष्ट्रीय भावनाओं के खिलाफ है और छात्रों के लिए स्वीकार्य नहीं है। उनका कहना है कि अगर अल्पसंख्यकों के बारे में पढ़ाना ही है, तो उन महान हस्तियों को शामिल किया जाना चाहिए जिन्होंने देश की एकता और समाज की भलाई के लिए सचमुच काम किया हो।

दूसरी ओर, यूनिवर्सिटी के पॉलिटिकल साइंस विभाग के प्रमुख बलजीत सिंह मान ने सिलेबस का बचाव करते हुए कहा कि यह पूरी तरह से एक अकादमिक फैसला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिलेबस में केवल जिन्ना या इकबाल ही नहीं, बल्कि महात्मा गांधी, बी.आर. अंबेडकर, सावरकर, गोलवलकर, नेहरू और सरदार पटेल जैसे सभी प्रमुख विचारकों को पढ़ाया जाता है। उन्होंने कहा कि इन विषयों को

हटाने से उन छात्रों का नुकसान होगा जो नेट जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि वहां इनसे जुड़े सवाल पूछे जाते हैं।

विभाग ने जोर देकर कहा कि यह सिलेबस एक कमेटी द्वारा पास किया गया है और यह यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप है। बलजीत सिंह मान के अनुसार, राजस्थान, महाराष्ट्र और कोलकाता की कई बड़ी यूनिवर्सिटीज में भी यह कंटेंट पढ़ाया जाता है। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी का मकसद किसी खास विचारधारा को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि छात्रों के सामने अलग-अलग नजरिए पेश करना है ताकि वे खुद सही और गलत की पहचान कर सकें। उनके अनुसार, ऐतिहासिक स्पष्टता के लिए इन विचारकों के जीवन में आए बदलावों को समझना जरूरी है।

सुसाइड के लिए उकसाने के आरोप में मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर की कुर्सी गई

चण्डीगढ़ **(एजेंसी)**। पंजाब के पूर्व परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर इस समय एक बड़े राजनीतिक विवाद के केंद्र में हैं। अमृतसर में तैनात स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा की कथित आत्महत्या के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भुल्लर से इस्तीफा मांग लिया है। रंधावा ने मरने से पहले एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री भुल्लर ने उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और जान देने पर मजबूर किया। इस वीडियो के वायरल होने के बाद विपक्ष ने सरकार को घेर लिया, जिसके जवाब में निष्पक्ष जांच के लिए यह कदम उठाया गया है। पुलिस ने रंधावा की पत्नी की शिकायत पर भुल्लर, उनके पिता और उनके पीए के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

तरनतारन की पट्टी सीट से विधायक लालजीत सिंह भुल्लर

का राजनीतिक करियर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। 2022 के चुनावों में दिग्गज नेताओं को हराकर वे 'आप' के प्रमुख चेहरों में उभरे, लेकिन जल्द ही विवादों ने उन्हें घेर लिया।

कैबिनेट मंत्री बनने के बाद उनका एक वीडियो सामने आया जिसमें वे चलती हुई गाड़ी की सनरूफ से बाहर निकलकर नियमों का उल्लंघन कर रहे थे, जिसके बाद विपक्ष ने उन्हें 'उड़ता मंत्री' कहना शुरू कर दिया।

इसके अलावा, 26 जनवरी 2021 को लाल किले पर हुए हंगामे के दौरान दीप सिद्धू के साथ उनकी मौजूदगी वाले वीडियो ने भी खूब तूल पकड़ा था, जिस पर भाजपा और कांग्रेस ने उन पर 'राष्ट्र-विरोधी' गतिविधियों में शामिल होने के आरोप लगाए थे।

लालजीत सिंह भुल्लर एक साधारण कृषि परिवार से आते हैं और आम आदमी पार्टी के जमीनी स्तर के कार्यकर्ता रहे हैं। उन्होंने 2022 की 'आप' लहर में शिरोमणि अकाली दल के चार बार के विधायक आदेश प्रताप सिंह कैरों और कांग्रेस के हरमिंदर सिंह गिल जैसे दिग्गजों को हराकर बड़ी जीत दर्ज की थी।

इसी उपलब्धि के कारण उन्हें परिवहन विभाग जैसा महत्वपूर्ण पद सौंपा गया था। हालांकि, लाल किला विवाद पर उन्होंने सफाई दी थी कि वे वहां केवल किसानों के समर्थन में गए थे, लेकिन ताजा आत्महत्या मामले ने उनके राजनीतिक भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नीतीश कुमार के पूर्व 'चाणक्य' केसी त्यागी ने थामा जयंत चौधरी का हाथ

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जनता दल यूनाइटेड के दिग्गज नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पूर्व सलाहकार केसी त्यागी अब राष्ट्रीय लोक दल का हिस्सा बन गए हैं। पिछले काफी समय से उनके नई पार्टी में जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं, जिस पर अब विराम लग गया है।

केंद्रीय मंत्री और रालोद प्रमुख जयंत चौधरी की मौजूदगी में त्यागी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बता दें कि त्यागी ने हाल ही में जेडीयू के सदस्यता अभियान के दौरान अपना इस्तीफा देकर सबको चौंका दिया था, हालांकि उन्होंने उस वक्त इस्तीफे की कोई ठोस वजह नहीं बताई थी।

जेडीयू छोड़ते समय केसी त्यागी ने स्पष्ट किया था कि वे दलितों, किसानों और समाज के वंचित वर्गों के व्यापक वैचारिक मुद्दों के प्रति आज भी उतने ही प्रतिबद्ध हैं जितने पहले थे। उन्होंने कहा कि लगभग 50 साल तक उनके साथी रहे नीतीश कुमार के प्रति उनका निजी सम्मान हमेशा बना रहेगा, लेकिन इस बार उन्होंने अपनी पार्टी की सदस्यता का नवीनीकरण नहीं कराया। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पिछले कुछ महीनों में नीतीश कुमार और त्यागी के बीच दूरियां बढ़ गई थीं, जिसके बाद उन्होंने जयंत चौधरी की पार्टी के साथ नई राजनीतिक पारी शुरू करने का फैसला किया।

केसी त्यागी जेडीयू के उन चुनिंदा नेताओं में से थे जो 2003 में समता पार्टी और जनता दल के विलय के समय से ही नीतीश कुमार के साथ खड़े थे। जॉर्ज फर्नांडिस के दौर में वे पार्टी के महासचिव थे और बाद में उन्होंने शरद यादव व नीतीश कुमार के साथ संगठन में मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार जैसे कई महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाली। उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर जेडीयू का सबसे बड़ा चेहरा माना जाता रहा है। अब रालोद में शामिल होने के बाद, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और किसानों की राजनीति में उनके अनुभव का बड़ा लाभ जयंत चौधरी की पार्टी को मिलने की उम्मीद है।

अयोध्या की छह 'उप-मंदिरों' पर धर्म ध्वजा फहराने की तैयारी, हनुमान जयंती पर होगा कार्यक्रम

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के मुख्य शिखर और राम जन्मभूमि परिसर में मौजूद अन्य मुख्य मंदिरों पर धर्म ध्वजा फहराये जाने के बाद बाकी बचे छह 'उप-मंदिरों' में भी ऐसी ही रस्में निभाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने शनिवार को हुई एक बैठक के बाद बताया कि जिन मंदिरों में ध्वज फहराया जाएगा, उनमें सूर्य, भगवती, शिवलिंग, गणपति, शेषावतार और हनुमान को समर्पित मंदिर शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि हनुमान मंदिर के शिखर पर ध्वज फहराने की रस्म आगामी दो अप्रैल को हनुमान जयंती के मौके पर की जाएगी। राय ने बताया कि बाकी पांच उप-मंदिरों के लिए रस्में 22, 23, 24, 25, 29, 30 और 31 मार्च को आठ दिनों तक अलग-अलग चरणों में पूरी की जाएंगी। उन्होंने बताया कि ये कार्यक्रम बिना किसी बड़ी जनसभा के आयोजित किए जाएंगे और इनमें शामिल होने वालों की संख्या सीमित रखी जाएगी।

राय ने बताया कि हर रस्म में लगभग 50 संत और करीब 200 लोग शामिल होंगे, जिनमें इस परियोजना से जुड़े इंजीनियर और मजदूर भी शामिल हैं। ट्रस्ट के महासचिव ने यह भी बताया कि मुख्य शिखर पर ध्वज फहराने की रस्म 25 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी की थी।

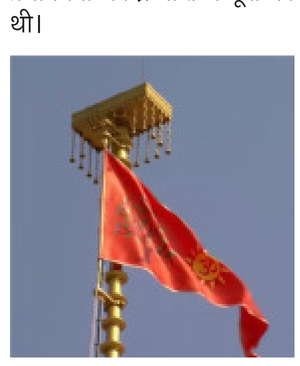

फिर बदला मौसम का मिजाज

पहाड़ों पर बर्फबारी, कई राज्यों में भारी बारिश-ओलों का 'ऑरेंज अलर्ट' जारी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने देश के बड़े हिस्से में अगले कुछ दिनों के लिए मौसम का व्यापक अलर्ट जारी किया है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और चक्रवाती सिस्टम के सक्रिय होने के कारण उत्तर-पूर्वी, पूर्वी, मध्य और दक्षिण भारत के राज्यों में मौसम तेजी से बदल रहा है।

विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में कई राज्यों में गरज-चमक के साथ भारी बारिश, बिजली गिरने और ओले गिरना की संभावना है। पहाड़ी राज्यों जैसे हिमाचल और उत्तराखंड में भी बर्फबारी के आसार बन रहे हैं।

मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, असम और मेघालय जैसे पूर्वोत्तर राज्यों में अगले 5 दिनों तक भारी बारिश और तेज हवाएं चलने का अनुमान है। पश्चिम बंगाल और सिक्किम के लिए भी 24 मार्च तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

विशेष रूप से गंगीय पश्चिम बंगाल और ओडिशा में हवाओं की रफ्तार 70 से 80 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित होने का खतरा है। बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में भी भारी बारिश और ओलावृष्टि की संभावना को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग ने मध्य और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है, जिसका मतलब है कि यहां मौसम बेहद खराब हो सकता है। विदर्भ और मध्य प्रदेश के इलाकों में 60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल सकती हैं।

वहीं, दक्षिण भारत के राज्यों जैसे केरल और कर्नाटक में गर्मी और उमस बनी रहेगी, लेकिन तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। पहाड़ी इलाकों में नए पश्चिमी विक्षोभ के कारण ठंड बढ़ सकती है।

दिल्ली कैपिटल्स के पास बहुत मजबूत टीम है उम्मीद है कि यह साल उनका होगा : पूर्व क्रिकेटर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स इस सीजन के शुरू होने पर आईपीएलटाइटल के लिए अपने 18 साल के इंतजार को खत्म करना चाहेंगे। जियोस्टार के 'आईपीएल टुडे लाइव' पर बात करते हुए जियोस्टार एक्सपर्ट इरफान पठान और आकाश चोपड़ा ने अपने विचार शेयर किए कि पहले डीसी और पंजाब टीम को किन चीजों से दिक्कत हुई और 2026 में कौन सी टीम कागज पर ज्यादा मजबूत दिखती है जो आखिरकार इस बुरी किस्मत को तोड़ देगी।

आकाश चोपड़ा ने उन चुनौतियों के बारे में बताया जिनसे डीसी और पंजाब किंग्स जैसी टीमों को पहले भी परेशानी हुई है। उन्होंने कहा, 'जिसने भी कई ट्रॉफ़ी जीती हैं, यहाँ तक कि गुजरात टाइटन्स भी, जो दो बार फाइनल में पहुंची और अपने पहले दो सालों में ट्रॉफी जीती, आप पाएंगे कि कंसिस्टेंसी और स्टेबिलिटी ने उन्हें सफल होने में मदद की। जहां कोई सफलता नहीं मिलती, वहां टीमें उसे पाने के लिए काट-छांट और बदलाव करती रहती हैं, यह सोचकर कि एक बार सफल हो जाने पर, वे स्टेबल हो जाएंगी। फिर यह मुर्गी और अंडे वाली स्थिति बन जाती है।

पंजाब और दिल्ली दोनों के साथ यही समस्या रही है। एक टीम के 15 कप्तान रहे हैं, दूसरी के 17। इसलिए, अगर आप अपना वर्तमान बदलना चाहते हैं, तो स्टेबिलिटी से कोई समझौता नहीं हो सकता। हमने अक्सर देखा है कि बेहतर टीमें पहले या दूसरे मैच में ही अपने सबसे अच्छे कॉम्बिनेशन पर पहुंच जाती हैं, जबकि जो टीमें 25 में से लगभग 22 खिलाड़ियों का इस्तेमाल करके काट-छांट और बदलाव करती रहती हैं, वे टॉप के बजाय सबसे नीचे खत्म करती हैं।'

ऑक्शन में डीसी के बेहतर प्रदर्शन पर चोपड़ा ने कहा, 'आईपीएल को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि आपको रीबूट करने का मौका मिलता है। हर तीन साल बाद, एक बड़ा ऑक्शन होता है। दिल्ली को शाबाशी, क्योंकि 2019 से, वे लगातार वहीं या उसके आस-पास रहे हैं, और 2020 में फाइनल में पहुंचे। महिला टीम सभी चार डब्ल्यूपीएल सीजन में फाइनल तक पहुंची है। उन्होंने अपने ऑक्शन सही किए हैं और इस साल, मुझे लगता है कि उनके पास एक बहुत मज़बूत यूनिट है। इसलिए, उम्मीद है कि यह उनका साल हो सकता है।'

पंजाब और दिल्ली के बीच कागज़ पर बेहतर दिखने वाली टीम पर उन्होंने कहा, 'कागज पर, मुझे लगता है कि दिल्ली एक ज़्यादा पूरी यूनिट है, जिसमें दो स्पिनरों को छोड़कर लगभग हर स्लॉट के लिए काफी बैकअप हैं, लेकिन आपको पूरे देश में भी अक्षर पटेल और कुलदीप के लिए बैकअप नहीं मिलेंगे।'

इरफान पठान ने 2010 की शुरुआत में डीसी के सामने टैलेंट पहचानने की चुनौती के बारे में बताया, 'मैं तीन-तीन साल पंजाब और दिल्ली के साथ था। जब मैं दिल्ली में था, तो एरिक सिमंस, जो अब सीएसके के बॉलिंग कोच हैं, कोच थे, और स्टेबिलिटी लाने की कोशिश की गई थी। लेकिन जब आप एबी डिविलियर्स जैसे खिलाड़ियों को छोड़ देते हैं और आपके पास आंद्रे रसेल होते हैं, तो शुरू से शुरू करना आसान नहीं होता। मैं रसेल के साथ एक ही ड्रेसिंग रूम में खेला था और उसे और मौके देने के बारे में बहुत चर्चा हुई थी, लेकिन वे लगातार ढ्ढ में उसके लिए जगह नहीं बना पाए। इसलिए, टैलेंट की पहचान बहुत ज़रूरी है, और मुझे लगता है कि दिल्ली उस मामले में पीछे रह जाती थी।'

जोश इंगलिस की सिचुएशन में वे थोड़े अनलकी रहे, क्योंकि वह ज़्यादातर सीजन नहीं खेल पाएंगे, लेकिन फिर आप देखते हैं कि दूसरी टीम उन्हें बहुत ज़्यादा कीमत पर लेने की कोशिश कर रही है। इस मामले में, वे बहुत सारे सही फैसले ले रहे हैं। पहले, पंजाब को पूरी तरह से स्ट्रगल करना पड़ा था, लेकिन अब आप अजमतुल्लाह उमरजई और मार्कस स्टोइनिस जैसे ऑलराउंडर देखते हैं, इसके अलावा, उन्होंने श्रेयस अय्यर को कैप्टन बनाने का फैसला करने के बाद उन पर पूरी तरह से दांव लगाया। इसलिए, सोच में क्लैरिटी है, और मुझे लगता है कि पंजाब ने सही दिशा में आगे बढ़ना शुरू कर दिया है।'

कोहली ने आईपीएल में भारत से लंदन आने-जाने के लिए चार्टर्ड प्लेन की मांग की? रिपोर्ट पर आया बल्लेबाज का जवाब

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने उन 'फेक रिपोर्ट' को हंसकर टाल दिया है जिनमें कहा गया था कि उन्होंने भारत से लंदन आने-जाने के लिए चार्टर्ड फ्लाइट की मांग की है और आईपीएल 2026 के मैचों के बीच में घर जाने की भी इच्छा जताई है।

एक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की गई रिपोर्ट में कहा गया था कि कोहली ने कथित तौर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) मैनेजमेंट से भारत और लंदन के बीच चार्टर्ड फ्लाइट की सुविधा मांगी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि जब भी दो मैचों के बीच तीन दिन से ज्यादा का गैप होगा, तो वह यूके जाना चाहेंगे और अगले मैच से ठीक पहले वापस आ जाएंगे। हालांकि आरसीबी के पूर्व कप्तान ने इस रिपोर्ट को पूरी तरह से खारिज कर दिया। उन्होंने अपनी उस पोस्ट का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया और साथ में कुछ 'हंसने वाले' इमोजी भी लगाए।

बाद में ऊपर बताए गए इंस्टाग्राम हैंडल ने बताया कि कोहली के पोस्ट पर रिएक्शन देने के बाद उनका अकाउंट क्रैश हो गया था। उन्होंने अपने एनालिटिक्स का एक स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, 'विराट कोहली की स्टोरी के बाद हमारा अकाउंट क्रैश हो गया।' इससे पहले, कोहली ने टीम के पहले ट्रेनिंग सेशन के दौरान भारतीय खिलाड़ियों के एक छोटे से ग्रुप को संबोधित किया और उन्हें आने वाले हफ्तों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। कोहली ने अपने साथियों से कहा, 'पिछले दो-तीन सीजन में हमने जो हासिल किया, उसके लिए हमने बहुत कड़ी मेहनत की है। अब यह और भी मुश्किल होने वाला है क्योंकि दूसरी टीमें भी हमारे खिलाफ पूरी तैयारी के साथ उतरेंगी।'

मियामी ओपन में कोको गॉफ का शानदार कमबैक, पार्क्स को हराकर चौथे दौर में पहुंची

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मियामी ओपन में अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने शानदार वापसी करते हुए हमवतन एलिसिया पार्क्स को हराकर चौथे दौर (राउंड ऑफ 16) में जगह बना ली है। गॉफ ने तीन सेटों तक चले मुकाबले में हार के बाद जोरदार वापसी की और मैच अपने नाम कर लिया। वह लगातार चौथी बार मियामी ओपन के अंतिम-16 में पहुंची हैं।

मैच की शुरुआत गॉफ ने शानदार की और 2-0 की बढ़त बना ली, लेकिन इसके बाद पार्क्स ने लगातार छह गेम जीतकर पहला सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया। पहले सेट के बाद गॉफ ने पूरी तरह मैच पर पकड़ बना ली। इसके बाद गॉफ ने अगले 13 में से 12 गेम जीतकर मैच 2-6, 6-0, 6-1 से जीत लिया। यह मुकाबला 1 घंटा 50 मिनट तक चला और गॉफ ने दूसरे और तीसरे सेट में एकतरफा खेल दिखाया।

मैच के बाद कोको गॉफ ने कहा कि यह मुकाबला आसान नहीं था क्योंकि पार्क्स बहुत आक्रामक खेल रही थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी रणनीति बदलनी पड़ी और रिटर्न गेम में सुधार करना पड़ा। गॉफ ने बताया कि दूसरे और तीसरे सेट में उन्होंने ज्यादा आक्रामक खेलने का फैसला किया, जिसका उन्हें फायदा मिला और मैच का रुख बदल गया।

2025 सीजन की शुरुआत से अब तक कोको गॉफ ने पहला सेट हारने के बाद डब्ल्यूटीए स्तर पर 11 मैच जीते हैं। इस मामले में वे मैडिसन कीज और अनास्तासिया पोटापोवा की बराबरी कर ली है। इस दौरान सबसे ज्यादा 13 मैच जेसिका पेगुला ने जीते हैं। वहीं डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में 2000 के बाद जन्मी खिलाड़ियों में गॉफ की 104 जीत हैं और इस लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ इगा स्विएटेक हैं, जिन्हें 130 जीत हैं।

अब चौथे राउंड में कोको गॉफ का मुकाबला रोमानिया की अनुभवी खिलाड़ी सोराना सिर्स्टिया से होगा। सिर्स्टिया ने 21वीं वरीयता प्राप्त एलिस मर्टेनस को 6-3, 6-2 से हराकर अगले राउंड में जगह बनाई है। गॉफ और सिरस्टिया के बीच इससे पहले सिर्फ एक मैच खेला गया था, जिसमें गॉफ ने 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत हासिल की थी।

मियामी ओपन में यानिक सिनर की शानदार जीत, जोकोविच के बड़े रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वर्ल्ड नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने मियामी ओपन के पहले राउंड में शानदार जीत दर्ज की। सिनर ने दामिर दजुम्हुर को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हरा दिया। यह मुकाबला हार्ड रॉक स्टेडियम में खेला गया।

सिनर ने हाल ही में इंडियन वेल्स 2026 का खिताब जीता था और अब वह 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी ओपन दोनों जीतना) पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी पहली उपलब्धि आखिरी बार 2017 में रोजर फेडरर ने हासिल की थी। सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में लगातार 24 सेटों में नोवाक जोकोविच का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने पहले पेरिस मास्टर्स और इंडियन वेल्स में खिताब जीता था और अब उनकी जीत का स्थिरांक जारी है।

अब अगर वह अपने तीसरे राउंड के मैच का पहला सेट जीत लेते हैं, तो वह जोकोविच का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। तीसरे राउंड में उनका मुकाबला कोरेंटिन मौटेट से हो सकता है, अगले राउंड में बिग बॉस टॉमस मचाक ने जगह बनाई। सिनर 2024 में मियामी ओपन का खिताब जीता है और इस बार उनके पास जमावड़ा बनाने के लिए कोई रैंकिंग प्वाइंट नहीं है, जिससे उन्हें वर्ल्ड नंबर-1 बनने की रेस में कार्लोस अलकराज पर बढ़त बनाने का मौका मिल सकता है।

वहीं, दूसरे मैच में अलेक्जेंडर शेवचेंको ने शानदार वापसी करते हुए बेन शेल्टन को 6-7, 7-6, 6-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। यह उनकी टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ तीसरी जीत रही।

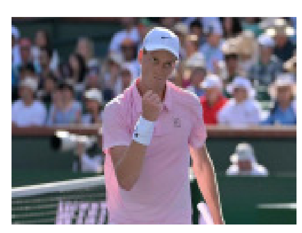

राजस्थान रॉयल्स को मिला सैम करन का रिप्लेसमेंट पाकिस्तान सुपर लीग से बाहर खिलाड़ी पर नजरें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से एक और खिलाड़ी बाहर हो गया है जिसमें दासुन शनाका इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चले गए हैं। शनाका को राजस्थान रॉयल्स आने वाले सीजन के लिए साइन करने वाली है, वे चोटिल सैम करन की जगह लेंगे, जो पहले आईपीएल 2026 से बाहर हो गए थे। रॉयल्स के एक टॉप अधिकारी ने क्रिकबज को इस साइनिंग की पुष्टि की।

फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इस वेबसाइट को बताया, 'हां, हम उन्हें साइन करने के करीब हैं। कुछ फॉर्मैलिटीज बाकी हैं। उन्हें श्रीलंकाई क्रिकेट के साथ कुछ पेपरवर्क पूरा करना है।' शनाका पिछले दिसंबर में अबू धाबी मिनी-ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे, जिसके बाद उन्होंने पीएसएल ऑक्शन के लिए एनरोल किया, जहां उन्हें लाहौर कलंदर्स ने 75 लाख पाकिस्तानी रुपए में खरीदा था।

शनाका हाल के दिनों में पीएसएल से आईपीएल में शिफ्ट होने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजराबानी ने इस्लामाबाद यूनाइटेड के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करके कोलकाता नाइट राइडर्स जॉइन कर लिया था, जिन्होंने उन्हें मुस्तफिजुर रहमान की जगह साइन किया था। पीएसएल से आईपीएल में जाने का मशहूर मामला, बेशक, पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश का था, जब उन्होंने पेशावर जालमी का ऑफर ठुकराकर मुंबई इंडियंस जॉइन कर लिया था।

पीएसएल ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और उन्हें एक साल के लिए बैन कर दिया। हालांकि आईपीएल के साथ लीग शेड्यूल करने की उसकी पॉलिसी - जाहिर तौर पर विदेशी खिलाड़ियों की मौजूदगी पक्का करने के लिए - उल्टी पड़ती दिख रही है, विदेशी खिलाड़ियों ने आईपीएल का मौका मिलने पर पीएसएल से नाम वापस ले लिया। क्रिकबज ने कमेंट के लिए लाहौर कलंदर्स से संपर्क किया। राजस्थान रॉयल्स का दासुन शनाका को चुनना कोई हैरानी की बात नहीं है। हेड कोच कुमार संगकारा श्रीलंकाई हैं जबकि असिस्टेंट कोच विक्रम राठौर ने टी20 वर्ल्ड् कप के दौरान बैटिंग कोच के तौर पर श्रीलंका के साथ काम किया था, जब शनाका देश के कैप्टन थे। हालांकि कोहोस्ट सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाए, लेकिन शनाका ने टूर्नामेंट में दो हाफ-सेंचुरी लगाकर सबको इम्प्रेस किया।

ऑस्ट्रेलिया ऐतिहासिक 4 टेस्ट सीरीज के लिए करेगा न्यूजीलैंड की मेजबानी

मेलबर्न **(एजेंसी)**। न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहली बार चार-मैच की टेस्ट सीरीज और बांग्लादेश के खिलाफ दो-टेस्ट सीरीज ऑस्ट्रेलिया की बिजी इंटरनेशनल गर्मियों की खास बातें हैं, जिसमें 14 जगहों पर पुरुषों और महिलाओं के क्रिकेट के 27 इंटरनेशनल मैच शामिल हैं। सीजन की शुरुआत उत्तर में बांग्लादेश के अगस्त में डार्विन और मैके में दो टेस्ट मैचों के दौरे से होगी, जिसके बाद महिलाओं की टीम के लिए तीन वनडे और तीन टी20 मैचों का एक व्हाइट-बॉल लेग होगा, जो सभी ब्रिस्बेन और सिडनी में होस्ट किए जाएंगे।

नवंबर में इंग्लैंड का व्हाइट-बॉल टूर होगा, जिसमें तीन मेन्स वनडे और पांच मैचों की टी20 सीरीज़ शामिल है। वनडे पर्थ, एडिलेड और होबार्ट् में खेले जाएंगे, जबकि टी20 मेलबर्न, गोल्ड कोस्ट, ब्रिस्बेन, सिडनी और कैनबरा में होंगे। गर्मियों का सबसे खास समय न्यूज़ीलैंड के खिलाफ ऐतिहासिक चार-टेस्ट सीरीज के आसपास रहेगा, जो दिसंबर की शुरुआत से जनवरी की शुरुआत तक चलेगी। चार टेस्ट पर्थ, एडिलेड, मेलबर्न और सिडनी में खेले जाएंगे।

इसके बाद महिला टीम फरवरी और मार्च में तीन टी20 और तीन वनडे के लिए न्यूज़ीलैंड की मेजबानी करेगी, जिसके बाद गर्मियों का अंत 11 से 15 मार्च तक एमसीजी में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की मेन्स टीमों के बीच एक बार के 150वीं एनिवर्सरी टेस्ट के साथ होगा।

एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने तोड़ी चुप्पी ऋषभ पंत के खराब प्रदर्शन पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। लखनऊ सुपर जाइंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने आईपीएल 2025 में कप्तान ऋषभ पंत के खराब प्रदर्शन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि टीम खराब की सलाह के लिए सिर्फ पंत को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है। आईपीएल 2026 की पहली शुरुआत 1 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होगी।

संजीव गोयनका ने कहा, 'अगर किसी कैप्टन के चार मुख्य कलाकार ही उपलब्ध नहीं हैं, तो आप क्या उम्मीद कर सकते हैं। इसलिए हमें यह देखना चाहिए कि उसके पास कौन से संसाधन थे।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे ऋषभ पंत पर पूरा भरोसा है। लोग सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें करते हैं, लेकिन हम टीम के अंदर की सच्चाई जानते हैं।'

संजीव गोयनका ने ऋषभ पंत के शिष्य की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पंत एक अच्छे लीडर हैं और टीम के साथ उनका कम्युनिकेशन बहुत साफ रहता है। यंका के मुताबिक, 'वे मैदान पर और टीम के लिए 100 फीसदी हिस्सा लेने की कोशिश करते हैं।' जब कोई खिलाड़ी अपना पूरा योगदान देता है, तो उससे इतनी अधिक की उम्मीद नहीं की जा सकती।'

गोयनका ने माना कि पिछले दो सीजन टीम के लिए निराशाजनक रहे हैं। टीम पॉइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर रही, जो किसी भी तरह से अच्छा प्रदर्शन नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि टीम के कई मुख्य गेंदबाज चोटिल हो गए थे, जिसका असर पूरे सीजन के प्रदर्शन पर पड़ा। टीम इस स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार नहीं थी, जिससे नतीजों पर असर पड़ा।

लखनऊ सुपर जाइंट्स आईपीएल 2026 में अपना पहला मैच 1 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लखनऊ में खेलेगी। इसके बाद टीम 5 अप्रैल को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ, 9 अप्रैल को कोलकाता में केकेआर और 12 अप्रैल को गुजरात टाइटंस के मैच खेलेगी।

लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम में ऋषभ पंत, निकोलस पूरन, जोश इंगलिस, एडेन मार्करम, मिचेल मार्श, वानिंदु हसरंगा, मोहम्मद शमी, आवेश खान, मयंक यादव, एनरिक नॉर्खिया, शाहबाज अहमद, आयुष बदोनी, अब्दुल समद, अर्जुन तेंदुलकर सहित कई बड़े खिलाड़ी शामिल हैं। टीम इस बार मजबूत स्क्वाड के साथ मैदान पर उतरेगी।

भारत ने लगातार दूसरे साल एक अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों में बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत ने लगातार दूसरे साल एक अरब टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लिया है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''कोयला क्षेत्र में सभी हितधारकों के अमूल्य योगदान के साथ, देश ने लगातार दूसरे साल 20 मार्च, 2026 तक एक अरब टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक मील का पत्थर सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है।''

अधिकारियों ने कहा कि उच्च और निरंतर कोयला उत्पादन से देश की बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने में मदद मिली है। इससे बिजली क्षेत्र को कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों में रिकॉर्ड कोयला भंडार बनाए रखने में भी मदद मिली। मंत्रालय ने कहा कि यह प्रदर्शन कोयला मूल्य श्रृंखला में मजबूत योजना, कुशल निष्पादन और कड़े समन्वय को दर्शाता है और देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि वह एक स्थिर, पारदर्शी और प्रदर्शन आधारित परिवेश विकसित करने पर जोर दे रहा है।

'वायरल गर्ल' मोनालिसा ने लगाई मदद की गुहार, वीडियो शेयर कर बोलीं- 'मुझे और मेरे पति को मिल रही धमकी'

साल 2025 में प्रयागराज में हुए महाकुंभ से चर्चा में आई मध्य प्रदेश की मोनालिसा बीते कई दिनों से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। दरअसल, वायरल गर्ल के नाम से मशहूर मोनालिसा ने अपने मुस्लिम बॉयफ्रेंड फरमान खान के साथ 11 मार्च को केरल के मंदिर में शादी कर ली है। उन्होंने ये फैसला अपनी फैमिली के खिलाफ जाकर किया है। मोनालिसा और फरमान खान ने जब से शादी की तब से किसी ना किसी कारण से खबरों में बने हुए हैं। दोनो की शादी को लव जिहाद बताया जा रहा है। अब इस कपल ने धमकी मिलने के कारण मदद की गुहार लगाई है।

मोनालिसा और फरमान खान की शादी बाद से बवाल मचा हुआ है। दोनों के अलग-अलग धर्म के होने से काफी विवाद हो रहा है। वही मोनालिसा और फरमान खान की फैमिली इस रिश्ते से सहमत नहीं हैं। अब वायरल गर्ल मोनालिसा ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें वह अपने पति फरमान खान के साथ मदद की गुहार लगा रही हैं। दरअसल, वायरल गर्ल यानी मोनालिसा ने फेसबुक पेज पर एक वीडियो शेयर किया है। वह सीएम, पुलिस कमिश्नर और मीडिया से हस्तक्षेप की अपील करती नजर आ रही हैं। मोनालिसा ने कहा, मै मोनालिसा भोसले और ये मेरे पति फरमान खान हैं। मैं ये वीडियो लेटर के साथ सभी को मेल कर रही हूं, प्लीज हमारी मदद करो। हमें खुलेआम मारने और काटने की धमकी दी जा रही है।

बताते चलें कि मोनालिसा अपनी फैमिली के साथ महाकुंभ माला बेचने के लिए गई थीं और अपनी खूबसूरत आंखों के चलते लोगों के बीच चर्चित हो गईं। इसके बाद लोग उनको वायरल गर्ल के नाम से जानने लगे। मोनालिसा की चर्चा बढ़ते ही डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने उन्हें अपनी फिल्म 'द डायरी ऑफ मणिपुर' में कास्ट कर लिया।

इसके बाद तो उनकी पॉपुलैरिटी बढ़ती चली गई और वह तमाम इवेंट में शामिल होने लगीं। मनोलिसा एक म्यूजिक वीडियो 'सादगी' में नजर आ चुकी हैं। बता दें कि मनोलिसा को फिल्म में लेने वाले डायरेक्ट सनोज मिश्रा उनके शादी के फैसले से काफी ज्यादा नाराज हैं। सनोज मिश्रा का कहना है कि मोनालिसा के भोलेपन का फायदा उठाया गया है और उसे फंसाया गया है। सनोज मिश्रा ने मोनालिसा को लेकर सोशल मीडिया पर कई वीडियो शेयर किए हैं।

एक्ट्रेस राम्या को नहीं पसंद आई रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' आदित्य धर के डायरेक्शन समेत इन 5 चीजों को बताया घटिया

आदित्य धर और रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। हर कोई इसकी तारीफ करते नहीं थक रहा है। बॉलीवुड से लेकर साउथ सिनेमा के सितारों तक ने भी 'धुरंधरः द रिवेंज' को शानदार बताया है, लेकिन इस बीच पूर्व लोकसभा सांसद और एक्ट्रेस राम्या ने भी ये मूवी देखी और इसके बाद उन्होंने आदित्य धर की जमकर क्लास लगाई है। एक्ट्रेस ने फिल्म के डायरेक्शन से लेकर एक्टिंग तक 5 चीजों को न सिर्फ घटिया बताया बल्कि, दर्शकों को थिएटर न जाने की सलाह तक दी है।

19 मार्च 2026 को रिलीज हुई रणवीर सिंह स्टारर फिल्म 'धुरंधर 2' के देखने के बाद राम्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शयेर किया है जिसमें उन्होंने लंबा-चौड़ा नोट लिखा, 'अभी-अभी 'धुरंधर 2' देखी और भाई साहब क्या मास्टरक्लास फिल्म है, यह सीखने के लिए कि एक अच्छी-भली कहानी को सब्र का इम्तिहान कैसे बनाया जाता है।' उन्होंने आगे लिखा, 'इसे देखना बिल्कुल वैसा ही है जैसे किसी सबसे बोरिंग सब्जेक्ट की टेक्स्टबुक पढ़ना, जिसके चैप्टर खत्म ही नहीं होते। एक पॉइंट के बाद तो आपका दिमाग हार मान लेता है और सामने चल रही इस तबाही को देखकर बेबसी में हंसी छूटने लगती है।'

एक्ट्रेस ने आगे दर्शकों और फैंस को थिएटर न जाने की सलाह देते हुए लिखा, 'अगर आप वाकई इसे देखना चाहते हैं, तो खुद पर एक अहसान करें थिएटर में अपना समय और पैसा बर्बाद न करें। यह पूरी तरह से पॉज करो, फोन चलाओ और अपनी जिंदगी के फैसलों पर सवाल उठाओ वाला कंटेंट है। इसे किसी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर देखना ही बेहतर है, जहां आप बस एक क्लिक में इससे पीछा छुड़ा सकें।'

वहीं रणवीर सिंह की फिल्म की बुराई करते हुए राम्या ने कहा कि, ''धुरंधर 2' का डायरेक्शन, डायलॉग, एडिटिंग, बैकग्राउंड स्कोर और एक्टिंग सबकुछ शुरू से आखिर तक घटिया है। सच में ऐसा लगता है कि, जैसे किसी ने मेकर्स को बताया ही नहीं कि, 19 मार्च की डेडलाइन पास आ रही है या फिर इससे भी बुरा ये कि उन्हें पता था और फिर भी उन्होंने कहा दिया 'हां परफेक्ट है, भेज दो।''

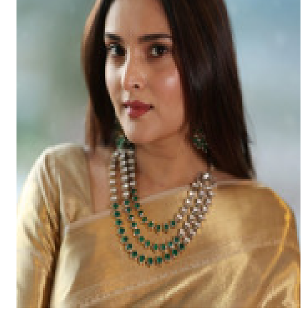

राम्या अपने पोस्ट में आगे रणवीर सिंह की फिल्म के दोनों पार्ट का कम्पैरिजन करते हुए कहा, 'धुरंधर मंस तो लोग सीटियां बजा रहे थे, तालिया मार रहे थे, फिल्म को एन्जॉय कर रहे थे। वहां एक एनर्जी थी, लेकिन इस वाले पार्ट में ऑडियंस को बिल्कुल मजा नहीं आया। थिएटर में आप लोगों की निराशा साफ देखी जा सकती थी।' आगे उन्होंने रणवीर सिंह के बारे में बात करते हुए लिखा, 'सभी लोग कह रहे हैं कि रणवीर सिंह ने अकेले फिल्म का बोझ उठाया है भाई, उन्होंने क्या उठाया है? मुझे तो पूरे टाइम सिर्फ उनके बाल ही दिखे। पहले पार्ट में उनके बालों की अपनी एक पर्सनालिटी, मौजूदगी और किरदार था, लेकिन इस बार वो बस वहां थे। हर चीज के बीच में अडंगा डाल रहे थे, सीन ब्लॉक कर रहे थे। शायद उन्हें 'बेस्ट सपोर्टिंग रोल' का नॉमिनेशन मिल जाए।'

गर्मी से पहले महंगाई का करंट! एसी, फ्रिज पर 12 प्रतिशत तक कीमतों में बढ़ोतरी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश के कई हिस्सों में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश के बाद एयर कंडीशनर (एसी) बनाने वाली कंपनियां सतर्क हो गई हैं। कंपनियों को आशंका है कि इससे गर्मी की शुरुआत में एसी की मांग प्रभावित हो सकती है, जबकि यही समय उनकी बिक्री के लिए सबसे अहम होता है। उद्योग जगत की चिंता सिर्फ मौसम तक सीमित नहीं है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे माल, खासकर प्लास्टिक की कीमतें बढ़ रही हैं। साथ ही एलपीजी गैस की आपूर्ति भी कम हो गई है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ रहा है।

कंपनियों का कहना है कि प्लास्टिक महंगा होने से वॉशिंग मशीन और फ्रिज जैसे बड़े घरेलू उपकरणों की कीमतें 10 से 12 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। आमतौर पर मार्च महीने में गर्मी बढ़ने लगती है और ठंडक प्रदान करने वाले उत्पादों की मांग तेज हो जाती है, लेकिन इस बार मौसम के बदले रुख से कंपनियां असमंजस में हैं। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि अप्रैल में तापमान बढ़ेगा और मांग भी सुधरेगी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के उपकरण कारोबार के प्रमुख कमल नंदी ने कहा कि अगले हफ्ते के बाद दिल्ली और उत्तर भारत में तापमान बढ़ने के संकेत हैं।

उन्होंने कहा कि अभी बिक्री पर असर को लेकर कुछ कहना जल्दबाजी होगी। नंदी ने कहा कि कंपनियां इस साल पहले ही कीमतें बढ़ा चुकी हैं, जब जनवरी से नए ऊर्जा लेबलिंग नियम लागू हुए। अब कच्चे माल और ढुलाई लागत बढ़ने के कारण अप्रैल में फिर से कीमतें बढ़ाई जा सकती हैं। गोडरेज ने एक अप्रैल से एसी की कीमतों में पांच से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का संकेत दिया है। हायर इंडिया के अध्यक्ष एन. एस. सतीश ने बताया कि कारखानों को मिलने वाली एलपीजी गैस की आपूर्ति कम कर दी गई है।

अगर यह स्थिति बनी रहती है तो गर्मी के व्यस्त सीजन से पहले उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत तक कटौती करनी पड़ सकती है। सरकार ने घरेलू रसोई गैस को प्राथमिकता देने के लिए उद्योगों को मिलने वाली एलपीजी आपूर्ति को उनकी औसत खपत के 80 प्रतिशत से घटाकर 65 प्रतिशत कर दिया है। इससे एसी विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाली प्रक्रियाओं पर असर पड़ रहा है।

सतीश ने यह भी कहा कि प्लास्टिक महंगा होने से कंपनियों की लागत बढ़ रही है और इसका असर ग्राहकों पर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि वॉशिंग मशीन की कुल लागत का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा प्लास्टिक का होता है, इसलिए कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि कीमतें बढ़ने पर ग्राहक महंगे मॉडल के बजाय सस्ते या कम क्षमता वाले उत्पाद खरीद सकते हैं।

सत्ता के शीर्ष पर 8931 दिन! पीएम मोदी ने तोड़ा पवन चामलिंग का रिकॉर्ड, बने नंबर-1 लीडर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति में एक ऐसी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है, जिसे मील का पत्थर माना जा रहा है। वे भारत में किसी भी चुनी हुई सरकार के प्रमुख के रूप में सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले नेता बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने पवन कुमार चामलिंग का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जिन्होंने सिक्किम के मुख्यमंत्री के रूप में 8, 930 दिनों तक सेवा दी थी। अब पीएम मोदी के कार्यकाल के 8, 931 दिन पूरे हो गए हैं, जिसमें गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में उनकी भूमिका शामिल है। नेतृत्व की भूमिका में यह उनका 25वां वर्ष है, जो उनकी निरंतर जनसेवा और मजबूत राजनीतिक पकड़ को दर्शाता है।

पीएम मोदी के नाम कई बड़े रिकॉर्ड दर्ज हैं। वे गुजरात के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री रहे हैं और उनके पास मुख्यमंत्री के रूप में काम करने का सबसे लंबा अनुभव रखने वाले प्रधानमंत्री होने का गौरव भी प्राप्त है। वे आजादी के बाद पैदा होने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री हैं। साल 2014, 2019 और अब 2024 के लोकसभा चुनावों में उनकी लगातार तीन जीतें उनके प्रति जनता के अटूट भरोसे को साबित करती हैं।

उन्होंने 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात की कमान संभाली थी और करीब 13 साल तक राज्य का नेतृत्व करने के बाद 26 मई 2014 को देश के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। वे पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आने वाले और दो कार्यकाल पूरे कर तीसरी बार लौटने वाले पहले गैर-कांग्रेसी नेता भी बन गए हैं।

राजनीति के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर भी प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता का कोई मुकाबला नहीं है। इसी महीने उनके यूट्यूब चैनल पर सब्सक्राइबर्स की संख्या 3 करोड़ (30 मिलियन) को पार कर गई है, जिससे वे दुनिया के सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले ग्लोबल लीडर बन गए हैं। सब्सक्राइबर्स के मामले में वे वर्तमान और पूर्व, दोनों तरह के राष्ट्राध्यक्षों से कोसों आगे हैं।

फरवरी में उन्होंने इंस्टाग्राम पर भी 10 करोड़ (100 मिलियन) फॉलोअर्स का आंकड़ा पार किया और ऐसा करने वाले वे दुनिया के पहले सेवारत नेता बने। फिलहाल इंस्टाग्राम पर उनके 10.1 करोड़ (101 मिलियन) और एक्स पर 10.64 करोड़ (106.4 मिलियन) फॉलोअर्स हैं, जो भारत ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनकी गहरी पैठ को दिखाते हैं।

पेट्रोल के दाम में मिलेगी बड़ी राहत?

एआईडीए ने नितिन गडकरी को दिया 20 प्रतिशत से ज्यादा इथेनॉल ब्लेंडिंग का प्रस्ताव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) ने पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल के मिश्रण की आपूर्ति की पेशकश की है। संघ का मानना है कि इससे भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता घटेगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को लिखे एक पत्र में एआईडीए की उप-महानिदेशक भारती बालाजी ने कहा कि एथनॉल उद्योग देश द्वारा पहले ही हासिल किए जा चुके ई20 के लक्ष्य से आगे जाने के लिए तैयार है।

उन्होंने पत्र में कहा, ''अब जबकि पश्चिम एशिया युद्ध में उलझा हुआ है और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं, तो हम एक एथनॉल उद्योग के तौर पर 20 प्रतिशत से अधिक की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं। इससे उसी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कम होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदम से आपूर्ति में रुकावट और देश पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव को कम किया जा सकेगा। भारत ने अपना ई20 एथनॉल मिश्रण लक्ष्य (पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाना) 2025 में तय समय से पहले हासिल कर लिया है।

यह लक्ष्यप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने ईंधन आयात बिल कम करने और उत्सर्जन में कमी लाने के लिए तय किया था। एसोसिएशन ने मांग की है कि सरकार एथनॉल मिश्रण की जरूरत को धीरे-धीरे 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ाए। इसके अलावा एआईडीए ने ब्राजील की तरह 100 प्रतिशत एथनॉल से चलने वाली फ्लेक्स-ईंधन गाड़ियां लाने, घरेलू और वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए एथनॉल आधारित कुकिंग स्टोव को बढ़ावा देने और खर्च कम करने के लिए डीजल में एथनॉल मिलाने का रास्ता खोजने की मांग की है।

वैष्णो देवी में नवरात्रि पर उमड़ा आस्था का सैलाब, भीड़ के चलते रजिस्ट्रेशन रोका

जम्मू **(एजेंसी)**। चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन माता वैष्णो देवी के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शनिवार और रविवार की छुट्टी होने के कारण शाम तक करीब 41 हजार श्रद्धालु अपना रजिस्ट्रेशन कराकर भवन की ओर रवाना हो चुके थे। भक्तों की इस भारी संख्या को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने शाम 4:45 बजे सभी यात्रा पंजीकरण केंद्रों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। इस बीच, देशभर से श्रद्धालुओं का आधार शिविर कटड़ा पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है, जिससे वहां सुरक्षा और प्रबंधन की चुनौतियां बढ़ गई हैं।

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कटड़ा से लेकर भवन तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के जवान हर जगह तैनात हैं। कटड़ा में अभी भी 8 से 10 हजार श्रद्धालु यात्रा शुरू करने का इंतजार कर रहे हैं, जिनसे श्राइन बोर्ड ने धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

बुजुर्गों और बच्चों की सुविधा के लिए हेलीकॉप्टर, बैटरी कार, घोड़ा और पालकी जैसी सेवाएं सुचारू रूप से चल रही हैं। आदकुंवारी मार्ग और भवन परिसर में लंबी कतारें देखी गईं, जहां भक्तों को अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा।

नवरात्रि के शुरुआती तीन दिनों के भीतर ही एक लाख से ज्यादा श्रद्धालु माता के दर्शन कर चुके हैं। श्रद्धालुओं की इस रिकॉर्ड आमद से कटड़ा के स्थानीय बाजारों में भी जबरदस्त रौनक लौट आई है। बड़ी संख्या में यात्रियों के आने से होटल, रेस्टोरेंट और स्थानीय दुकानदारों के चेहरे खिले हुए हैं। श्राइन बोर्ड लगातार उद्घोषणाओं के जरिए यात्रियों को ताज़ा स्थिति की जानकारी दे रहा है ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो।

युगांडा में 2 करोड़ के गोल्ड स्कैम का शिकार हुई थीं रान्या राव, फिर खुद बनीं 100 करोड़ की तस्कर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव, जिन्हें बेंगलुरु एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, उनके बारे में एक नया और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय की जांच में सामने आया है कि तस्करी का बड़ा नेटवर्क चलाने से पहले रान्या और उनके साथी तरुण राजू के साथ युगांडा के एक गोल्ड एजेंट ने ?2 करोड़ की ठगी की थी।

अधिकारियों के अनुसार, रान्या ने मार्च 2024 से मार्च 2025 के बीच भारत में करीब ?102.55 करोड़ की कीमत का 127 किलोग्राम सोना अवैध तरीके से मंगाया था। इस सोने को बिचौलियों के जरिए स्थानीय बाजारों में बेचा गया।

जांच के मुताबिक, रान्या और उनके साथी ने शुरुआत में दुबई के बजाय सीधे अफ्रीका (युगांडा, केन्या और तंजानिया) से सोना खरीदने की कोशिश की थी। इसके लिए उन्होंने दुबई में 'वीरा डायमंड्स ट्रेडिंग' नाम की कंपनी भी बनाई।

उन्होंने युगांडा के एक एजेंट 'बेन' से 5 किलोग्राम सोने का सौदा किया और लाखों रुपये एडवांस दिए। जब राजू खुद सोना लेने युगांडा के कंपाला शहर पहुंचा, तो उससे ?1.7 करोड़ की और मांग की गई। रान्या दुबई से पैसों का इंतजाम देख रही थीं, लेकिन अंत में उन्हें एहसास हुआ कि वे एक बड़े 'गोल्ड स्कैम' का शिकार हो गए हैं और उन्हें ?2 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ।

अफ्रीका में धोखा खाने के बाद रान्या और राजू ने अपनी रणनीति बदल दी। उन्होंने सीधे अफ्रीका से सोना मंगाने के बजाय दुबई के मशहूर 'दीरा गोल्ड सूक' के डीलरों से सोना खरीदना शुरू किया। ये डीलर अफ्रीका से आए सोने को दुबई में डिस्काउंट पर बेचते थे और केवल कैश में ही लेनदेन करते थे।

ईडी ने अपनी चार्जशीट में बताया कि यह एक बेहद संगठित गिरोह था जो विदेश से सोना खरीदता, अवैध तरीके से भारत लाता और फिर उस पैसे को हवाला के जरिए ठिकाने लगाता था।

अब्दुल बासित की अजीब दलील, अमेरिका हमला करेगा तो पाकिस्तान मुंबई- दिल्ली पर दागेगा मिसाइल

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। भारत में पाकिस्तान के पूर्व हाई कमिश्नर अब्दुल बासित के एक बयान ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। एक चर्चा के दौरान उन्होंने बेहद चौंकाने वाला सुझाव दिया कि यदि पाकिस्तान पर कोई बाहरी हमला होता है, तो उसे भारत के मुंबई और नई दिल्ली जैसे शहरों को निशाना बनाना चाहिए।

बासित ने एक काल्पनिक स्थिति का जिक्र करते हुए कहा, 'अगर अमेरिका पाकिस्तान पर हमला करता है, तो हमें बिना एक पल गंवाए भारत पर हमला करना होगा। हम इसे छोड़ेंगे नहीं; उसके बाद जो भी अंजाम होगा, देखा जाएगा।' हालांकि उन्होंने इस स्थिति को नामुमकिन बताया, लेकिन भारत के प्रमुख शहरों का सीधा नाम लेने की वजह से उनके बयान की कड़ी आलोचना हो रही है।

अब्दुल बासित 2014 से 2017 तक नई दिल्ली में पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक रह चुके हैं। उनके इस पुराने पद की वजह से उनके बयान को काफी गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने अपनी दलील में कहा कि अगर कोई पाकिस्तान की तरफ बुरी नजर से देखता है, तो उनके पास भारत पर हमला करने के अलावा कोई चारा नहीं बचेगा।

उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब दक्षिण एशिया में पहले से ही काफी तनाव है। हालांकि बासित ने यह भी जोड़ा कि न तो पाकिस्तान ऐसा चाहता है और न ही भारत, लेकिन उनकी इस तरह की बयानबाजी ने क्षेत्रीय सुरक्षा और पूर्व अधिकारियों की भाषा की मर्यादा पर एक नई बहस छेड़ दी है।

बासित की ये टिप्पणियां उस वक्त आई हैं जब पाकिस्तान के संबंध अपने पड़ोसियों, खासकर अफगानिस्तान के साथ बेहद खराब चल रहे हैं। अफगानिस्तान के अधिकारियों ने पाकिस्तानी सेना पर काबुल, कंधार और पक्तिका जैसे इलाकों में हवाई हमले करने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद का दावा है कि इन हमलों में आम नागरिकों और पुनर्वास केंद्रों को निशाना बनाया गया है, जिससे भारी जान-माल का नुकसान हुआ है। हालांकि भारत सरकार की ओर से बासित के बयान पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में इसे लेकर तीखी चर्चा जारी है।

दूसरी मंजिल से गिरी 2 साल की बच्ची

सड़क पर जा रहे 17 साल के लड़के ने बचाई जान ! वीडियो वायरल

अंकारा **(एजेंसी)**। इस्तांबुल के फातिह जिला में एक दिल छू लेने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 2 साल की बच्ची की जान बाल-बाल बच गई। जानकारी के अनुसार, छोटी बच्ची दोहा मुहम्मद अपने घर की दूसरी मंजिल की खिड़की के पास खेल रही थी। उसी दौरान वह संतुलन खोकर नीचे गिरने लगी। लेकिन ठीक उसी समय पास में मौजूद 17 वर्षीय युवक ने स्थिति को भांप लिया। वह तुरंत खिड़की के नीचे आकर खड़ा हो गया और जैसे ही बच्ची गिरी, उसने उसे हवा में ही पकड़ लिया। हालांकि घटना काफी पुरानी है लेकिन इसका वीडियो वर्तमान में फिर से तेजी से वायरल हो रहा है।

पास लगे एक सिक्योरिटी कैमरे के वीडियो में दिखता है कि एक छोटी बच्ची नीचे गिर रही है और लड़का ज़बात उसे हवा में ही लपक लेता है। इसके बाद, जब वह बच्ची को अपनी बाहों में थामे होता है, तो आस-पास खड़े लोग उसे घेर लेते हैं। फ़्यूज़ी ज़बात ने बताया कि 'मैं सड़क के ऊपरी हिस्से से नीचे की ओर जा रहा था। मैंने देखा कि एक आदमी ऊपर की ओर देख रहा है; इस बात ने मेरा ध्यान खींचा, ' चश्मदीद इज़्ज़त बायर ने डीएचए को बताया। 'और मैंने देखा कि वह छोटी बच्ची बस गिरने ही वाली थी। और इस 'शेर' जैसे इंसान ने उस बच्ची को हवा में ही लपक लिया और उसे उसके परिवार से मिला दिया।'

इस साहसिक कदम के कारण बच्ची को एक भी चोट नहीं आई और वह पूरी तरह सुरक्षित बच गई। यह पूरी घटना पास लगे कैमरे में कैद हो गई, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। बताया जा रहा है कि उस समय बच्ची की मां रसोई में खाना बना रही थीं और बच्ची खेलते-खेलते खिड़की तक पहुंच गई थी।बच्ची के परिवार ने युवक को 'हीरो' बताते हुए उसका धन्यवाद किया और आभार स्वरूप 200 तुर्की लीरा का इनाम भी दिया। वहीं, युवक ने बेहद सादगी से कहा कि उसने सिर्फ इंसानियत के नाते और 'अल्लाह के लिए' यह काम किया। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि सही समय पर उठाया गया एक छोटा कदम किसी की जिंदगी बचा सकता है।

इजराईली शहरों में ईरानी मिसाइल हमलों से तबाही; सैंकड़ों लोग घायल

नेतन्याहू बोले- हर हमले का देंगे करारा जवाब

यरुशलम **(एजेंसी)**। इजराइल के दक्षिणी शहर अराद और डिमोना में ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमलों ने भारी तबाही मचाई है। इन हमलों में 100 से अधिक लोग घायल हो गए, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने इन हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इसे 'सीधा युद्ध अपराध' और 'आतंकवाद' बताया है। मंत्रालय के अनुसार, ईरान ने जानबूझकर नागरिक इलाकों को निशाना बनाया। रातभर बचाव दल मलबे में फंसे लोगों को निकालने में जुटे रहे। अस्पतालों में छर्रे लगने, हड्डियां टूटने और मानसिक सदमे से पीड़ित दर्जनों लोगों का इलाज किया जा रहा है, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस हमले को 'देश के भविष्य की लड़ाई का कठिन पल' बताया और कहा कि इजराइल अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सख्त जवाब देगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये हमले ईरान की ओर से उसके नतांज परमाणु संवर्धन केंद्र पर हुए कथित हमले के जवाब में किए गए। हालांकि, इजराइल ने इस हमले में अपनी भूमिका से इनकार किया है। इजराइल की वायु रक्षा प्रणाली लौह गुंबद ने कई मिसाइलों को रोकने की कोशिश की, लेकिन कम से कम दो मिसाइलें सुरक्षा कवच को भेदकर रिहायशी इलाकों में गिर गईं।

इससे कई घरों में आग लग गई और भारी नुकसान हुआ। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने की बात कही है। स्कूलों को फिलहाल बंद कर दिया गया है, जबकि इंजीनियरिंग टीमें इमारतों की सुरक्षा जांच कर रही हैं। इस हमले ने एक बार फिर वैश्विक चिंता बढ़ा दी है।

ईरान जंग के बीच बड़ा हादसा

कतर में सैन्य हेलीकॉप्टर क्रैश, 6 लोगों की मौत

दोहा **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट में ईरान जंग के बीच कतर में एक दर्दनाक हवाई हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना उस समय हुई जब कतर का एक सैन्य हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण समुद्र में गिर गया। कतर आंतरिक मंत्रालय के अनुसार, यह हादसा कतर के समुद्री क्षेत्र में हुआ और हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों की जान चली गई। एक व्यक्ति अभी भी लापता है, जिसकी तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है।

इससे पहले कतर रक्षा मंत्रालय ने बताया था कि हेलीकॉप्टर नियमित ड्यूटी पर था, तभी उसमें तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यह हादसा हुआ।घटना के बाद तुरंत बचाव दल मौके पर पहुंचा और समुद्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया। फिलहाल अधिकारियों ने हादसे की जांच शुरू कर दी है, ताकि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके। यह घटना मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच सामने आई है, जहां पहले से ही सुरक्षा और सैन्य गतिविधियों को लेकर चिंता बनी हुई है।

ईरान के खिलाफ वैश्विक मोर्चा तैयार 22 प्रमुख देशों ने दी खुली धमकी

'अब और बर्दाश्त नहीं, होर्मुज में गुंडागर्दी बंद करो

लंदन **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी समेत 22 देशों ने ईरान के खिलाफ एकजुट होकर बड़ा मोर्चा खोल दिया है। इन देशों ने संयुक्त बयान जारी कर होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमलों और जलमार्ग को बंद करने की कोशिशों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया। संयुक्त बयान में कहा गया कि ईरान द्वारा कमर्शियल जहाजों, तेल-गैस प्रतिष्ठानों और नागरिक ढांचे को निशाना बनाना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। देशों ने ईरान से तुरंत मिसाइल, ड्रोन हमले और समुद्र में माइंस बिछाने जैसी गतिविधियां रोकने की मांग की।

इन देशों ने संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि के तहत नेविगेशन की स्वतंत्रता को एक मौलिक अधिकार बताते हुए सभी देशों से अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान करने की अपील की। साथ ही अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी द्वारा रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार से तेल जारी करने के फैसले का स्वागत किया गया, ताकि ऊर्जा बाजार को स्थिर रखा जा सके। इन देशों ने यह भी कहा कि वे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने और संकट से प्रभावित देशों की मदद के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ मिलकर काम करेंगे। इस पूरे घटनाक्रम से साफ है कि होर्मुज जलडमरूमध्य का संकट अब वैश्विक मुद्दा बन चुका है और अगर जल्द समाधान नहीं निकला तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।
● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचना:- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।